Web Portal
www.ghatatighatana.com

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक-33 शनिवार,03 दिसम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

ये मेरा है,यह दूसरे का-ऐसा संकीर्ण हृदय वाले मानते हैं।उदार चित्त वाले तो सारे संसार को एक कुटुम्ब समझते हैं।

- हितोपदेश-

बंद हुआ नगर निगम चुनाव के लिए प्रचार का शोर

अब 4 दिसंबर को मतदान पर रहेगा जोर

नई दिल्ली ,02 दिसंबर 2022(ए)। दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए प्रचार अभियान का शोर शुक्रवार शाम पांच बजे बंद हो गया है। अब चार दिसंबर को ज्यादा से ज्यादा मतदान हो इस पर जोर राजनीतिक दलों का रहेगा। इसलिए पर्ची देने और मतदाताओं से पहचान के बहाने राजनीतिक दल के कार्यकर्ता जनसंपर्क में जुटे हुए हैं। वहीं, चुनाव में मतदान के दिन कार्यकर्ताओं की ड्यूटी कहां लगेगी इसके लिए राजनीतिक दल और प्रत्याशी पूरी रुपरेखा बना रहे हैं। मतदान केंद्रों से पहले पार्टी टेबल लगाने के साथ मतदाताओं को पर्ची उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी रहेगी। वहीं, राज्य चुनाव आयोग भी विभिन्न माध्यमों से दिल्ली में प्रचार करके मतदाताओं से मतदान की अपील में जुटा हुआ है।

1439 प्रत्याशियों ने किया अपना-अपना प्रचार

दिल्ली नगर निगम चुनाव की आचार संहिता चार नवंबर को लागू हुई थी, जबकि सात नवंबर को चुनाव अधिसूचना के साथ ही नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। 14 नवंबर तक चली नामांकन की प्रक्रिया और नामांकन पत्रों की जांच के बाद कुल 1439 प्रत्याशियों ने अपना-अपना प्रचार कर जनता से वोट की अपील की। चूंकि चार दिसंबर को मतदान होना है इसलिए दो दिन पहले नियमानुसार चुनाव प्रचार बंद हो गया है। अब जनता अपने प्रत्याशियों के प्रचार, चरित्र तमाम पहलुओं का आकलन कर मतदान का निर्णय लेगी। चार दिसंबर को सुबह आठ बजे मतदान शुरू होगा, जो कि शाम पांच बजे तक चलेगा। अब आयोग ने मतदान केंद्रों पर मतदान से संबंधित सामग्री पहुंचानी शुरू कर दी है। वहीं, मतदान केंद्रों में टेंट और मतदाताओं को दी जानी वाली सुविधाओं की व्यवस्था करना शुरू कर दिया है।

आपको नहीं मिली है पर्ची तो कैसे निकालें

दिल्ली नगर निगम चुनाव में वह मतदाता हिस्सा ले सकतें हैं, जिन्होंने 14 नवंबर तक मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वा लिया था। अगर, किसी नागरिक को अपने मतदान केंद्र के पते की जानकारी नहीं है तो निगम की हेल्पलाइन के साथ मोबाइल ऐप, वॉट्सऐप और एसएमएस से मतदान केंद्र की जानकारी ले सकते हैं। राज्य चुनाव आयोग ने मतदाताओं की सहूलियत के लिए दिल्ली निगम चुनाव मोबाइल ऐप भी बनाया है। जो कि एंड्रॉइड और आइओएस प्लेटफार्म पर उपलब्ध हैं। आयोग के अनुसार, यहां पर न केवल प्रत्याशियों का हलफनामे के साथ अपने मतदान केंद्र की जानकारी भी देख सकते हैं। इतना ही नहीं, मतदाता सूची में अपना नाम है या नहीं और मतदान केंद्र कहां पर इसकी भी जानकारी मोबाइल ऐप पर मिल जाएगी। नागरिक आयोग की हेल्पलाइन 23999999 पर भी काल कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

सिद्धू मूसेवाला की हत्या का गैंगस्टर गोल्डी बरार कैलिफोर्निया से गिरफ्तार

नई दिल्ली ,02 दिसंबर 2022(ए)। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ को गिरफ्तार कर लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत की खुफिया एजेंसियों ने उसे कैलिफोर्निया से पकड़ा है।बताया जा रहा है कि खुफिया एजेंसियों को इंटरनेशनल सोर्स से जानकारी मिली थी कि इंटरनेशनल गैंगस्टर गोल्डी बराड़ को कैलिफोर्निया में 20 नवंबर या उससे पहले हिरासत में ले लिया गया है। हालांकि की कैलिफोर्निया की तरफ से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। दूसरी ओर, खुफिया विभाग रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ), इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल और पंजाब इंटेलिजेंस को इस तरह के इनपुट्स जरूर मिले है कि कैलिफोर्निया में गोल्डी बराड़ को लेकर बड़ी हलचल हुई है और उसे वहां पर लोकेट कर पकड़ा गया है।।

बीएसएफ ने 5 बांग्लादेशी घुसपैठियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली ,02 दिसंबर 2022(ए)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बंगाल के जलपाईगुड़ी में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारत में घुसे 5 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से बांग्लादेशी नोट और मोबाइल फोन समेत अन्य सामग्री बरामद की गई है। बीएसएफ की तरफ से ये जानकारी दी गई है। बीएसएफ ने बताया कि जवानों ने उत्तर बंगाल में जलपाईगुड़ी के पठानपारा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारत में घुसे 5 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है।

पूर्व मंत्री चिन्मयानंद को गिरफ्तार करने का आदेश

शाहजहांपुर ,02 दिसंबर 2022(ए)। शाहजहांपुर की एक विशेष एमपी/एमएलए कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री स्वामी चिन्मयानंद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। एमपी/एमएलए कोर्ट की जज असमा सुल्ताना ने शाहजहांपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को चिन्मयानंद को गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने के लिए पत्र लिखा है। इस मामले में सुनवाई की अगली तारीख नौ दिसंबर है। गौरतलब है कि चिन्मयानंद पर 2011 में रेप का केस दर्ज किया गया था और अक्टूबर 2012 में अदालत में आरोप पत्र दायर किया गया था।

लोक अभियोजक नीलिमा सक्सेना ने कहा कि, इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इनकार करने पर चिन्मयानंद ने इस मामले में राहत पाने के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा। चिन्मयानंद को 30 नवंबर तक कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करने का समय दिया गया था।

नारायणन जासूसी केस में सुप्रीम कोर्ट ने पलटा फैसला

आरोपियों की अग्रिम जमानत खारिज

नई दिल्ली ,02 दिसंबर2022(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने वैज्ञानिक नंबी नारायणन केस के चार आरोपियों को अग्रिम जमानत देने के केरल हाईकोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया। बता दे की इसरो केस के आरोपियों को जमानत मिल गयी थी अब वहीं सुप्रीम कोर्ट ने कहा है की आरोपियों को चार सप्ताह तक गिरफ्तार नहीं किया जाये। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को इस मामले में फिर से सुनवाई करने का आदेश जारी कर दिया है। बता दे की 1994 भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पूर्व वैज्ञानिक नंबी नारायणन को जासूसी के मामले में गलत ढंग से फंसाया गया था।

जानकरी के अनुसार केस के चलते क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन हासिल करने के भारत के प्रयासों को धक्का लगा था। उसमें कई सालों की देरी हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पूर्व जज डीके जैन की अध्यक्षता वाली कमिटी ने मामले की जांच की। कमिटी ने पाया कि पुलिस और आईबी के 5 पूर्व अधिकारी इस साज़िश में शामिल थे। इस रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल, 2021 को सीबीआई से मुकदमा दर्ज करने को कहा।

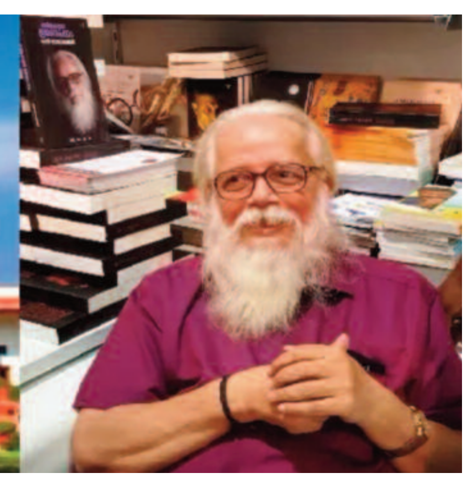

सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि उसने जब केस दर्ज किया, उसके बाद एक-एक कर पांचों अधिकारियों- सिबी मैथ्यूज, पी एस जयप्रकाश, आर बी श्रीकुमार, थंपी एस दुर्गा दत्त और विजयन को केरल हाई कोर्ट ने अग्रिम जमानत दे दी। हाईकोर्ट ने इसे पुराना मामला बता कर सबको अग्रिम जमानत दी। यह भी कह दिया कि इन अधिकारियों के विदेशी ताकतों से संपर्क के सबूत नहीं हैं। इस तरह जांच को किसी नतीजे तक पहुंचा पाना कठिन होगा। और अब सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत देने के आदेश को खारिज कर दिया है।

नंबी नारायणन की जिंदगी पर हाल ही में 'रॉकेट्री' नाम से फिल्म भी बनी है, जिसे एक्टर आर. माधवन ने डायरेक्ट किया था। नंबी नाराणन की भूमिका में भी वही दिखाई दिए थे। फिल्म रिलीज होने के बाद से नंबी नारायण को लेकर देश में फिर से चर्चा शुरू हो गई थी। इस फिल्म में उनके इसरो वैज्ञानिक के रूप में सफलताएं और बाद में साजिश के तहत उन्हें फंसाए जाने को दिखाया गया है। कई दिन जेल में काटने के बाद और अदालत में लंबी लड़ाई लड़ने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ सभी आरोपों को खारिज कर दिया था। नंबी नारायणन ने इसरो में रहते हुए कई अहम खोज की और स्पेस साइंस के क्षेत्र में अहम योगदान दिया था। मगर अचानक से वह एक साजिश का शिकार हो गए। 1994 में उन पर भ्रष्टाचार और पाकिस्तान के लिए जासूसी का आरोप लगा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर आरोप लगे कि वह रॉकेट व उपग्रह से संबंधित गोपनीय जानकारी को भारत के बाहर भेजते थे। उन्हें कई दिनों तक जेल में रहना पड़ा। बताया जाता है कि उन्हें काफी टॉर्चर भी किया गया।

सुप्रीम कोर्ट में बनाई गई महिला पीठ

नई दिल्ली ,02 दिसंबर-2022(ए)। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने वैवाहिक विवाद और जमानत के मामलों से जुड़ी स्थानांतरण याचिकाओं पर सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी वाली पूरी तरह महिला जजों की एक पीठ गठित कर दी। दो जजों वाली यह पीठ अभी अदालत संख्या 11 में बैठ रही है। गुरुवार को पीठ के समक्ष 32 मामले सूचीबद्ध किए गए। जिनमें से वैवाहिक विवाद और जमानत वाली 10-10 स्थानांतरण याचिकाएं हैं। गौरतलब है कि स्थानांतरण याचिका ऐसी याचिका होती है जिनमें किसी मामले को राज्य एजंसियों से केंद्रीय एजंसी या किसी हाई कोर्ट ने दूसरे हाई कोर्ट या हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित किए जाने का अनुरोध किया जाता है।

विंडो सीट पर बैठे यात्री की गर्दन के आरपार हुआ लोहे का सरिया,दर्दनाक मौत

अलीगढ़ ,02 दिसंबर 2022(ए)। दिल्ली से आ रही नीलांचल एक्सप्रेस में सवार सुल्तानपुर के एक यात्री की सोमना और डांबर रेलवे स्टेशन के बीच लोहे की रॉड गर्दन में घुस जाने से मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेन में खलबली मच गई।

रेलवे स्टेशन पर यात्री के शव को उतार लिया गया। यात्री की पहचान सुल्तानपुर के हरिकेश दुबे पुत्र संतराम निवासी गोपीनाथपुर सुल्तानपुर के रूप में हुई है। वे दिल्ली से सफर कर रहे थे। घटना के बाद रेलवे अफसर घटनास्थल पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर रेलवे के स्तर से निर्माण कार्य हो रहा था। इसी दौरान लोहे की रॉड ट्रेन के कोच के शीशे को तोड़ते हुए सीट पर सवार यात्री की गर्दन में जा घुसी। जिससे युवक की मौत हो गई।

शाही ईदगाह में हनुमान चालीसा के पाठ का आह्वान करने पर 16 के खिलाफ वारंट

मथुरा ,02 दिसंबर 2022(ए)। शाही ईदगाह मस्जिद के अंदर एक हिंदू संगठन द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ करने के आह्वान को विफल करने के लिए, मथुरा सिटी मजिस्ट्रेट ने संगठन से जुड़े 16 लोगों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। मथुरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मार्तंड प्रकाश सिंह ने कहा कि मामले में किसी भी संगठन द्वारा कोई अनुमति नहीं मांगी गई है। इस कार्यक्रम के लिए भीड़ इकट्ठा करने के प्रयास में अब तक दो लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए जा चुके हैं।पिछले महीने अखिल भारतीय हिंदू महासभा (एबीएचएम) ने अपने सभी नेताओं और समर्थकों से हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए श्री कृष्ण जन्मभूमि से सटे मस्जिद में आने का आग्रह किया था, जिसे भगवान कृष्ण का जन्मस्थान माना जाता है। गोविंद नगर थाने के एसएचओ संजय कुमार पांडेय ने कहा कि करीब तीन दर्जन लोगों को पहले ही नोटिस दिया जा चुका है। उन्होंने कहा, जो लोग जवाब देने और आवश्यक जमानत बांड भरने में विफल रहे, उन्हें सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा जमानती वारंट जारी किया गया है। इस बीच चौधरी ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की और कहा, हमने एक शांतिपूर्ण आयोजन की योजना बनाई है। ऐसे में पुलिस के हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि हम साइट पर प्रार्थना करेंगे।

मुस्लिम युवक के साथ हिंदू युवती फरार

माता-पिता ने लगाया लव जिहाद का आरोप

रायचूर ,02 दिसंबर 2022(ए)। कर्नाटक के रायचूर जिले में एक हिंदू महिला के मुस्लिम युवक के साथ भाग जाने का मामला सामने आया है। लड़की के माता-पिता का आरोप है कि उनकी बेटी लव जिहाद का शिकार हुई है। पुलिस के अनुसार रायचूर शहर के नेताजी नगर मोहल्ले की रहने वाली भारती की मंगनी हुविनाहादगली के एक हिंदू युवक से हुई थी।

लेकिन भारती उसी के साथ फूल की दुकान पर काम करने वाले रिहान के साथ फरार हो गई। रिहान और भारती ने 6 नवंबर को हैदराबाद शहर में रजिस्ट्रार कार्यालय में शादी कर इस्लाम कबूल कर लिया। परिजनों ने स्थानीय पुलिस में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया है। बाद में उन्होंने शिकायत दर्ज कराई कि रिहान ने उनकी बेटी को शादी के जाल में फंसाया और उसे जबरन इस्लाम में परिवर्तित कर दिया। लेकिन पुलिस की पूछताछ में लड़की ने रिहान के खिलाफ सभी आरोपों का खंडन किया। उसने पुलिस को बताया कि वह रिहान से प्यार करती थी और अपनी मर्जी से उससे शादी की। पुलिस ने मामले को बंद कर दिया है और उसके बयान के बाद उन्हें छोड़ दिया है।

सरकार 16 नए बिल पेश करने की योजना बना रही

नई दिल्ली ,02 दिसंबर-2022(ए)।

सरकार ने 7 दिसंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में बहु-राज्य सहकारी समितियों में जवाबदेही बढ़ाने और चुनावी प्रक्रिया में सुधार करने वाले बिल सहित 16 नए बिल पेश करने की योजना बनाई है।

राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक, जो एक राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग की स्थापना करना चाहता है और दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 को निरस्त करना चाहता है, सरकार के अस्थायी सत्र के एजेंडे में भी है। नेशनल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी कमीशन बिल, एक अन्य उपाय जिसे स्वास्थ्य मंत्रालय पेश करने की योजना बना रहा है, नेशनल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी कमीशन (एनएनएमसी) स्थापित करने और भारतीय नर्सिंग काउंसिल अधिनियम, 1947 को निरस्त करने का प्रयास करता है।

गुरुवार को जारी लोकसभा बुलेटिन के अनुसार, बहु-राज्य सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2022 को बहु-राज्य सहकारी समितियों में शासन को मजबूत करने, पारदर्शिता बढ़ाने, जवाबदेही बढ़ाने और चुनावी प्रक्रिया में सुधार के उद्देश्य से पेश किया जा रहा है। मौजूदा कानून का पूरक और 97वें संविधान संशोधन के प्रावधानों को शामिल करना। इसका उद्देश्य निगरानी तंत्र में सुधार करना और बहु-राज्य सहकारी समितियों के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करना है।

छावनी विधेयक, 2022, एक और मसौदा कानून है जिसे सरकार सत्र में लाने का प्रस्ताव करती है जो 29 दिसंबर को समाप्त होगा। छावनी विधेयक छावनियों के प्रशासन से संबंधित है ताकि अधिक से अधिक लोकतंत्रीकरण, आधुनिकीकरण और दक्षता प्रदान की जा सके।

यह देश भर में नगर पालिकाओं के साथ संरेखण में अधिक से अधिक विकासात्मक उद्देश्यों को प्राप्त करना चाहता है। इस विधेयक का उद्देश्य छावनियों में %जीवन को आसान% बनाना भी है।

सूची में एक अन्य विधेयक पुराना अनुदान (विनियमन) विधेयक, 2022 है। विधेयक का उद्देश्य 1836, 1827, 1838, 1849 और 1851 के गवर्नर जनरल आदेश के तहत दी गई भूमि को उनके हस्तांतरण, उपखंड और उद्देश्य परिवर्तन सहित विनियमित करना है। . यह ऐसी भूमि के बेहतर प्रबंधन के लिए शक्तियों को प्रत्यायोजित करने का भी प्रयास करता है।

इस विधेयक का उद्देश्य भूमि पर सरकारी अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए जीवनयापन को आसान बनाना है। वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 में संशोधन करना चाहता है। यह अधिनियम के प्रावधानों की प्रयोज्यता में अस्पष्टता को दूर करने, गैर-वन क्षेत्रों में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने और वनों के संरक्षण की भी परिकल्पना करता है।

तटीय जलीय कृषि प्राधिकरण (संशोधन) विधेयक, 2022, जिसे सरकार लाने का प्रस्ताव करती है, तटीय क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के मूल सिद्धांतों को कमजोर किए बिना हितधारकों के विनियामक अनुपालन बोझ को कम करने के लिए मुख्य अधिनियम के प्रावधानों को संशोधित करना चाहती है।

यह अधिनियम के तहत ÷अपराध (अपराधों)÷ को कम करने और सभी तटीय जलीय कृषि गतिविधियों को इसके दायरे में लाने के लिए कानून के दायरे का विस्तार करने का भी प्रस्ताव करता है। इसका उद्देश्य प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अधिनियम में कठिनाइयों और विनियामक अंतराल को दूर करना और व्यापार करने में आसानी की सुविधा प्रदान करना भी है।

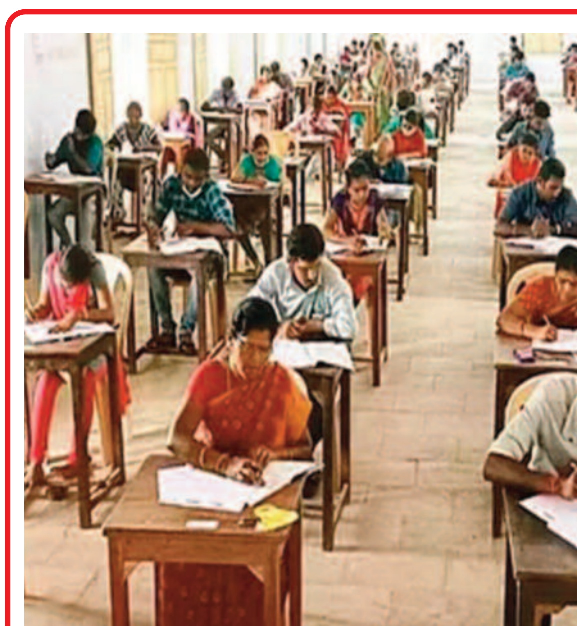

तमिलनाडु ने सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की पुरानी अधिसूचना रद्द की

चेन्नई ,02 दिसंबर 2022(ए)।डेली थांथी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु सरकार ने राज्य भर के सरकारी कला और विज्ञान कॉलेजों में सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति पर एक पुरानी अधिसूचना रद्द कर दी है.

इससे पहले 2019 में सहायक प्रोफेसरों के 2,331 पदों को भरने के लिए एक अधिसूचना जारी की गई थी।

उच्च शिक्षा मंत्री के पोनमुडी ने भी घोषणा की थी कि कॉलेजों में 4,000 सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी. इसके अनुसार 4000 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति का शासनादेश जारी किया गया था।

संपादकीय

मुद्दा मूल्य-सीमा का

इस मसले पर यूरोपियन यूनियन में तीखे मतभेद उभर चुके हैं। भारत और चीन इसमें शामिल होंगे, इसकी संभावना कम है। दरअसल, पश्चिम के प्राइस कैप को ना मानने वाले देशों की सूची इन दोनों देशों के अलावा और भी लंबी हो सकती है।

क्या सचमुच पश्चिमी देश रूस के कच्चे तेल पर प्रस्तावित मूल्य सीमा को लागू कर पाएंगे? यूरोप में इसको लेकर जो विरोध उभरा है, उसे देखते हुए यह आसान नहीं लगता। यह साफ सामने आया है कि कई यूरोपीय देश अब ऐसा कदम उठाने के पक्ष में नहीं हैं, जिससे उनका ऊर्जा संकट और बढ़े। इसी का परिणाम है कि इस मसले पर यूरोपियन यूनियन (ईयू) में तीखे मतभेद उभर चुके हैं। भारत जैसे देश तो पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वे ऐसे किसी कदम का हिस्सा नहीं बनेंगे। जाहिर है, चीन भी इसमें शामिल नहीं होगा। पश्चिम के प्राइस कैप को ना मानने वाले देशों की सूची इन दोनों देशों के अलावा और भी लंबी हो सकती है। रूस यह साफ कह चुका है कि अगर किसी प्रकार की मूल्य सीमा लगाई गई, तो वह तेल का निर्यात बिल्कुल रोक देगा। विश्लेषकों के मुताबिक अगर रूस ने ऐसा कदम उठाया, तो उससे अंतरराष्टीय बाजार में तेल की महंगाई तेजी से बढ़ेगी। इसका अंदेशा अमेरिका को भी है।

अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कुछ दिन पहले एक मीडिया इंटरव्यू में कहा था कि अगर तेल की कीमतें बढ़ीं, तो अमेरिका अपने स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से और अधिक तेल बेचने का फैसला करेगा। लेकिन उससे अमेरिकी उपभोक्ताओं को भले राहत मिल सकती है, यूरोप के लोगों को नहीं तो। तो पिछले हफ्ते ईयू की कार्यकारी संस्था- यूरोपियन कमीशन की हुई बैठक में विभिन्न देशों के राजनयिकों के बीच जुबानी झड़पें होने तक की नौबत आ गई। धनी देशों के समूह जी-7 ने अगले पांच दिसंबर से अंतरराष्टीय बाजार में रूसी तेल पर मूल्य सीमा लगाने का प्रस्ताव रखा है। जी-7 ने यूक्रेन पर हमला करने के दंड के रूप में रूसी तेल पर प्राइस कैप लगाने का एलान किया है। योजना यह है कि मूल्य सीमा लागू होने के बाद पश्चिमी कंपनियों से ऋण और बीमा की सुविधा तभी मिलेगी, जब कोई देश तेल तय सीमा कीमत तक पर ही खरीद रहा हो। अब फैसला ईयू पर आकर टिक गया है।

एमसीडी का चुनाव देश का मिनी चुनाव है!

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा का चुनाव हो गया है और गुजरात में चुनाव हो रहा है। गुजरात चुनाव कई कारणों से बहुत अहम है। लेकिन इन दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव से कम महत्व का चुनाव दिल्ली नगर निगम यानी एमसीडी का नहीं है। एमसीडी की ढाई सौ सीटों पर चार दिसंबर को मतदान होना है। राजधानी दिल्ली का यह चुनाव देश की राजनीति का मूड बताने वाला होता है। एमसीडी में लगातार तीन बार से भाजपा जीत रही है। दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने 2012 में एमसीडी को तीन हिस्सों में बांट दिया था ताकि कांग्रेस कुछ जगह जीत सके। लेकिन कांग्रेस तीनों निगमों में हार गई। वह चुनाव देश का मूड बताने वाला था। उसके दो साल बाद देश का चुनाव हुआ और कांग्रेस बुरी तरह से हार कर सत्ता से बाहर हो गई। इसके बाद अगला चुनाव अप्रैल 2017 में हुआ और कांग्रेस तो हारी ही दो साल पहले ही दिल्ली में एकतरफा जीत हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी भी हार गई। इससे भी देश का मूड जाहिर हुआ और 2019 में भाजपा को और बड़ी जीत मिली। अब फिर लोकसभा चुनाव से डेढ़ साल पहले एमसीडी का चुनाव हो रहा है। इसके नतीजों से देश का मूड जाहिर हो सकता है। ध्यान रहे दिल्ली में देश के हर हिस्से के लोग रहते हैं। हर प्रांत, हर जाति, हर धर्म और हर आर्थिक श्रेणी के लोग दिल्ली में रहते हैं। उनको यह भी पता है कि एमसीडी में 15 साल से भाजपा का कब्जा है और वह दिल्ली सरकार के अधीन नहीं है।

छत्तीसगढ़ के विधायक चार सालों तक अन्य राज्यों के चुनाव में व्यस्त रहे

अब अपनी बारी कौन करेगा मदद ?

» जहां जहां चुनाव हुए छत्तीसगढ़ मॉडल को लेकर विधायक करते दिखे प्रचार

» बड़ी सफलता कहीं नहीं मिली हर जगह लगभग मिली हार,अभी दो राज्यों के चुनाव के परिणाम आने हैं बाकी

» छत्तीसगढ़ में भी चुनाव 2023 में,अब तक विधायकों की अपने ही विधानसभा में बेहतर उपस्थिति नहीं

» अन्य राज्यों की जिम्मेदारी से फुर्सत ही नहीं कि करें विधायक अपनी भी तैयारी

» 2023 के चुनाव में कैसे जनता का सामना करेंगे विधायक विधायक भी हैं चिंता में

» देश भर में कांग्रेस की सरकार बनाने विधायकों की ऐसी ड्यूटी लगी कि अपनी ही सीट बचेगी की जाएगी पता नहीं

चार सालों तक कांग्रेस की सरकार बनाने प्रदेश के विधायक घूमते रहे उन प्रदेशों में जहां हो रहे थे चुनाव

छत्तीसगढ़ राज्य में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होंगे वहीं अभी छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी की सरकार है और बहोत बड़े बहुमत के साथ प्रदेश में कांग्रेस सत्ता पर काबिज है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने उपरांत हुए पहले विधानसभा चुनाव से ही कांग्रेस पूरे 15 साल सत्ता सुख से प्रदेश में वंचित चली आ रही थी और जो सुख उसे 2018 के चुनावों में मिला और सत्ता विरोध की लहर में कांग्रेस को बहोत बड़ी जीत प्रदेश में मिल गया। छत्तीसगढ़ में जबसे कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी है तभी से कांग्रेस ने इस राज्य को एक मॉडल राज्य अपने पार्टी शासित राज्यों में से बनाने का प्रयास किया है और लगातार छत्तीसगढ़ मॉडल के नाम पर ही पूरे देश भर के चुनावों में कांग्रेस पार्टी प्रचार कर रही है और छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार की उपलब्धि गिनवा रही है।

जबसे प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी है तभी से प्रदेश के कांग्रेस पार्टी के विधायक भी लगातार अपने विधानसभा से दूर अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में अपना समय दे रहें हैं और लगातार अपना विधानसभा छोड़कर अन्य राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार बन सके यह प्रयास कर रहें हैं। प्रदेश के विधायक विगत चार वर्षों से लगातार जितना समय अपने विधानसभा में अपने क्षेत्र की जनता के बीच नहीं बिता पाते होंगे उससे ज्यादा उन्हें अन्य राज्यों के चुनावों में जाकर कांग्रेस पार्टी की सरकार बन सके इसलिए समय देना पड़ रहा है और वह उसी में व्यस्त हैं,प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार की उपलब्धियां, विकास कार्य व जन कल्याण कारी योजनाओं को अन्य प्रदेशों में जाकर प्रदेश के विधायक चुनावों के दौरान बता रहें हैं और प्रयास कर रहें हैं कि अन्य प्रदेशों में छत्तीसगढ़ राज्य के मॉडल को लोग स्वीकार करें और अन्य राज्यों में भी कांग्रेस पार्टी की सरकार बन सके, वहीं जबसे प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी है और प्रदेश के विधायक अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में जाकर प्रदेश के मॉडल को सामने रख चुनाव प्रचार कर रहें हैं कहीं भी कांग्रेस पार्टी को कोई बड़ी उपलब्धि मिलती नजर नहीं आई है और लगभग जिन भी राज्यों में अभी तक छत्तीसगढ़

प्रदेश के मॉडल को सामने रखकर और छत्तीसगढ़ के विधायकों को जिम्मेदारी देकर कांग्रेस पार्टी ने चुनाव लड़ा है हार का ही पार्टी को सामना करना पड़ा है जो सतत रूप से जारी भी है, अभी वर्तमान में भी पार्टी ने अपने विधायकों को दो राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी दे रखी है और प्रदेश के मॉडल को सामने रखकर उन प्रदेशों की जनता को कांग्रेस पार्टी की तरफ आकर्षित करने का भी जिम्मा दे रखा है वहां के परिणाम आने बाकी हैं और उसके बाद यह भी समझ मे आ सकेगा कि वर्तमान में जिन दो राज्यों के चुनाव संपन्न होने वाले हैं वहां के मतदाताओं ने जनता ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी की सरकार के मॉडल को कितना पसंद किया और यह आगे कितना प्रभावी मॉडल रहने वाला है।

वैसे छत्तीसगढ़ प्रदेश के कांग्रेस पार्टी के विधायकों का अब तक का 4 साल अपनी पार्टी की सरकार अन्य राज्यों में बन सके इसी प्रयास में चला गया, आज 4 सालों के यदि विधायकों के कार्यकाल को देखा जाए तो अन्य राज्यों के चुनावों में प्रदेश के विधायकों की उपस्थिति ज्यादा रही बशर्ते अपने ही विधानसभा में वह उतना समय नहीं दे सके जितना उन्हें देना था,प्रदेश के कांग्रेस पार्टी के विधायकों को जनता ने प्रत्येक विधानसभा से इसलिए अपना प्रतिनिधि चुना था कि वह उनके सुख दुख में उनकी समस्याओं में उनके साथ खड़े रहें और उनकी सहायता करें और प्रदेश को भी खुशियाली की ओर ले जाएं जनता ने विधायकों को अन्य राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार बने इसलिए नहीं चुना था,आज प्रदेश के विधायकों ने अपने महत्वपूर्ण 4 साल अन्य राज्यों के चुनावी प्रचार में बिता दिए और अभी तक प्रचार का कोई विशेष लाभ पार्टी को हुआ यह भी देखने को नहीं मिला अब अगले वर्ष प्रदेश में चुनाव हैं और विधायकों की किस्मत दांव पर लगेगी और जनता विधायकों के 5 सालों के कार्यकाल के आधार पर उन्हें चुनेगी,जनता आंकलन कर मतदान करेगी यह भी तय है कि जनता के बीच जनता की समस्याओं को लेकर कौन बेहतर नेतृत्वकर्ता खड़ा रहा और कौन चुनाव जीतने के बाद से ही क्षेत्र से दूरी बनाए रहा। अगले वर्ष प्रदेश के चुनावों में कांग्रेस पार्टी को बड़ी मजबूती से लड़ना होगा और अत्यधिक बहुमत जो अभी है उसे बनाये रखने के लिए अपना पूरा दमखम लगाना होगा।

रवि सिंह
कटकोना
कोरिया
(छत्तीसगढ़)

भोपाल गैस त्रासदी के 38 बरस

38 वर्षों बाद भी हरे हैं गैस त्रासदी पीड़ितों के जख्म

मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में वर्ष 1984 में हुई भयानक गैस त्रासदी की घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। भोपाल गैस कांड को 38 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाला था कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया और उनका अंतिम संस्कार किया गया जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा और आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे।

एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 38 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हो रहे हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे। हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के

लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था। 3 दिसम्बर 1984 को इस कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का जो रिसाव हुआ, उसका एक बड़ा कारण माना गया कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रक्रिया होने के परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और टैंक का अंदरूनी तापमान 200 डिग्री के पार पहुंच गया, जिससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया था और यह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए जहरीली गैस के इस रिसाव से बने गैस के बादल हवा के झोंके के साथ वातावरण में फैल गए और इसकी चपेट में आने वाले लोग मौत की नींद सोते गए।

मिक के रिसाव के उपरांत गैस के बादल में फोस्जीन, हाइड्रोजन सायनाइड, कार्बन मोनो-ऑक्साइड, हाइड्रोजन क्लोराइड इत्यादि के अवशेष भी पाए गए थे। जिन लोगों के फैंफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? गैस के कारण लोगों की आंखों और सांस लेने में परेशानी हो रही थी, सिर चकरा रहा था, बहुतों को कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। हजारों लोगों के एकाएक अस्पतालों में पहुंचने से डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि जहरीली गैस से पीड़ित इतने सारे लोगों का किस प्रकार और क्या इलाज किया जाए क्योंकि उनके पास भी मिक गैस से पीड़ित लोगों के इलाज का कोई अनुभव नहीं था। वे इस रासायनिक आपदा के उपचार के लिए पूर्ण रूप से तैयार नहीं थे।

भले ही गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यह है कि इस गैस त्रासदी के 38 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है। हादसे से पर्यावरण को भी ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का इस पूरे मामले में रूख संवेदनहीन ही रहा है। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। विभिन्न रिपोर्टों में बताया जाता रहा कि यूनियन कार्बाइड संयंत्र के आसपास की 32 बस्तियों का भूजल प्रदूषित है और यह सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही रही कि गैस पीड़ित वर्ष 2014 तक इसी प्रदूषित भूजल को पीते रहे। हालांकि वर्ष 2014 में इन क्षेत्रों में पानी की पाइपलाइन डाली गई लेकिन तब तक जहरीले रसायन लोगों के शरीर में गहराई तक घुल चुके थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हालांकि यूनियन कार्बाइड कारखाने के कुछ टन कचरे का निस्तारण इन्दौर के पास पीथमपुर में किया जा चुका है लेकिन पर्यावरण पर उसका क्या असर पड़ा, यह एक रहस्यमयी पहेली है। यहां जहरीली गैसों का खतरा अभी भी बरकरार है क्योंकि उस त्रासदी के कई टन जहरीले कचरे का निस्तारण अब भी एक बड़ी चुनौती है, जो हादसे की वजह बने यूनियन कार्बाइड कारखाने में कवर्ड शेड में मौजूद है। इसके खतरे को देखते हुए यहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित है। जहरीली गैस के कारखाने से निकले इस खतरनाक कचरे के निपटान के लिए सरकार कोई गंभीर प्रयास नहीं कर पाई है और करीब 38 सालों से पड़ा यह कचरा कारखाने के आसपास की जमीन, जल और वातावरण को प्रदूषित कर रहा है।

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

एहसास

उदय किशोर साह
जयपुर
बाँका बिहार

तेरी घनी जुल्फ जब जब
मेरी काँधे को छू जाती
हवा में प्यार की तब तब
खुमार घुल घुल जाती
जब जब पुरवाई बदन को
छू कर भग भग जाती
हमें तेरी प्यार की एहसास कराती
तन मन को ऊर्जा दे जाता
प्यार की आरजू रातरानी कराती
गुलशन में ये कौन है आया
हमें दिखाई तेरा ही साया
कलियों में उमंग ये कैसा आया
मधुकर हौले से मड़राया
वो अमुवा की डाली पे पपीहा
गाती है मिलन को अपनी पिया
जब तुम्हारी बदन की महक आई
तेरी उपस्थिति की एहसास जगाई
फिजां में प्यार की घुल गया है रंग
मस्ती में है गुलशन का तन मन
कब से बैठा हूँ गुलशन में
मिलन की प्यासा है मन में
आ जाना तुम चमन में एक बार
कर लेगें एक दूजे से मनुहार

ठण्ड की सुहानी रात

अशोक कुमार यादव
मुंगेली,छत्तीसगढ़

प्रकाशमय दिन ढला,मधुरिमा रात्रि हुई।
शीतल हिमकर किरणों की बरसात हुई।।
आलस की निद्रा
दुबकर ओढ़ ली रजाई।
धधकती अग्नि की
कोहरे ने ली जम्हाई।।
मुझे याद आ रही है
ठण्ड की सुहानी रात।
बिस्तर में लेटा कर
रहा था पत्नी से बात।।
भूल नहीं पाऊंगा
कभी पहला मुलाकात।
शहद रात्रि मुझे दी थी
प्यार का सौगात।।
दिव्यलोक उपवन सदृश
सजा था प्रकोष्ठ।
अदृष्ट थरथरा रहे थे
कोमल कमल ओष्ठ।।
अवगुंठिका उठा
देख लिया स्वर्णिम कोष्ठ।
अंतर्मन में जाग उठी
कामना उभयनिष्ठ।।
सुप्त कलियां खिल गई
देखकर मधुप को।
दीवाना बार-बार
निहारने लगा रंग-रुप को।।
मकरंद का आनंद
ले रहा था जैसे धूप को।
संस्पर्श किया सुवासित
सौंदर्य अनूप को।।
निशीथ में नींद आयी
अंग-अंग में ताजगी।
वर्षों का प्यासा
दिल में छा गई दीवानगी।।
अप्सरा, विश्व सुंदरी,
रात की रानी सर्वांगी।
श्वेत अमृत प्रीत की
वर्षा करो तुम सादगी।।

टेलीविजन:गलत सीख लेता समाज

टेलीविजन के बढ़ते वर्चस्व का बोलबाला आज समाज में हर जगह होता है। इसका दबदबा इतना शक्तिशाली है इसने लोगों के जीवन को पूरी तरह अपनी गिरफ्त में ले लिया है बच्चे हो या बड़े सभी इसके शिकंजे में फंस रहे हैं। इसके परिणाम को सही गलत कोई नहीं जान पा रहा है। जिसमें नई जनरेशन फंसती नजर आ रही है। जब बच्चे तू-तू मैं-मैं करने लगे, बड़ों का सम्मान न करें, बहुएं या घर के दूसरे लोग केवल टेलीविजन से चिपके रहे, ना कोई सास को पूछे, ना सास ही बहू को पूछे, दूसरों के बंगलो और कमरों में झांकने लगे, षड्यंत्र रचने लगे! तो समझ लीजिए कि उनके स्वभाव में कुछ खुराफाती विचार टेलीविजन की भेंट चढ़ रहा है। खुद को संभाले! वरना टेलीविजन के मकड़जाल में आपका जीवन अस्त व्यस्त हो जाएगा।

टेलीविजन में दिखाए जाने वाले कार्टून चैनल छोटे-छोटे बच्चों को अधिक परिपक्व बना दिया है। कार्टून में दिखाए जाने वाले ऐसे करैक्टर जो गलत शब्दों का प्रयोग करते हैं, भद्दे मजाक मानसिक तौर पर बच्चों को दुर्बल बना रहा है टेलीविजन। कार्टून करैक्टर की नकल करते बच्चे अपने परिवार के लोगों से भी उस तरह व्यवहार करने लग गए हैं हिंसक हो रहे हैं। बच्चों में गुस्सा तनाव और असुरक्षा भाव उत्पन्न होने लगा है। टेलीविजन में आने वाले सीरियल देख कर बड़े भी परिवार में एक दूसरे के साथ साजिश रचने में लगे रहते हैं। टेलीविजन को यदि बिगड़ा हुआ बक्सा कहा जाए तो गलत नहीं होगा। 24 घंटे टेलीविजन में आने वाले चैनलों पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों, धारावाहिकों ने आदर्श संस्कार और नैतिक मूल्य सिखाने का बेड़ा तो उठा लिया है लेकिन उसमें रिश्तो में जरूरत से ज्यादा अनादर दिखाया जाता है। सामाजिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में परोसे जाने वाले यह सीरियल समाज को दिग्भ्रमित कर रहे है। लोगों के संस्कारों पर कुठाराघात कर रहे हैं। लोग सीरियल में आने वाले किरदारों को अपना किरदार मानने लगते हैं, उन्हीं के जैसे हेयर स्टाइल, बातचीत और डायलॉग लाइफ़स्टाइल सब सीख लेते हैं और उन्हें कॉपी करने की कोशिश करते हैं जिसकी वजह से गलत धारणा पर जीते हुए सभी पर गलत असर पड़ता है। आजकल निर्माता-निर्देशक टीवी और धारावाहिक के जरिए शिष्टाचार नहीं दिखाते और रोजाना सीरियल में दिखाए जाने वाले पति पत्नी के रिश्ते, एक सौतन का आना यह सारी चीजें बच्चे भी देखते हैं। घर में आए लोगों का इसमें सम्मान तो दिखाया जाता है पर उनके साथ किया जाने वाला व्यवहार मिर्च मसाला की तरह गलत पेश किया जाता है। कोई किसी के भी बेडरूम में चला जाता है, शादीशुदा इंसान की दूसरी लड़की से शादी हो जाती है, ब्रेकअप कत्ल साजिश से सास-बहू, ननंद-भोजाई ना जाने कितने रिश्तो को गलत तरीके से टीवी में प्रस्तुत किया जाता है। कोई किसी को थप्पड़ मार रहा है, बेटा-बहू बड़े बुजुर्गो का अपमान कर रहे हैं, सास बहू के खिलाफ साजिश रच रही है, मरा हुआ व्यक्ति जिंदा हो जाता है और ना जाने कितने ही भ्रमित करने वाले उदाहरण टेलीविजन में प्रस्तुत किए जाते हैं जो समाज के लिए अभिशाप है, इसका गलत प्रभाव लोगों के मन पर हावी हो रहा है ऐसा लगता है मानो इनका षड्यंत्र रचने, चोरी करने और एक दूसरे को नीचा दिखाने के अलावा और कोई काम नहीं है। चाहे घर के किसी सदस्य की बेइज्जती करनी हो या किसी घर के संबंधी से धोखे से कागजों पर साइन कराने हो, यह धारावाहिक किसी भी हद तक नीचे गिरने से नहीं चूकते। लगभग एक जैसी कथावस्तु वाले और फालतू के धारावाहिक देखकर तो यही लगता है आखिर टेलीविजन क्या सिखा रहा है समाज को? किसी प्रकार का कोई संस्कार नहीं रहा आज हर जगह परिवार में सिर्फ षड्यंत्र रचने वाली सांसे, चोरी करने वाली बहू है। कभी भी किसी स्तर तक गिरने को बच्चे तैयार हो जाते हैं। जायदाद हथियाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाने वाले लोग ही दिखाई देते हैं। ऐसे निकृष्ट नैतिकता वाले धारावाहिक जिनमें सम्मान करना नहीं सिखाया जाता है ऐसे धारावाहिक समाज को बिगाड़ रहा है। जो कलाकार धारावाहिकों में काम करते हैं वह खुद ऐसे व्यवहार करना पसंद नहीं करते हैं फिर इसे आम आदमी क्यों देखते हैं? और क्या सीखते हैं? अगर टेलीविजन में दिखाई जाने वाले अच्छे कार्यक्रम हो तो ध्यान दीजिए जिसमें भरपूर जानकारी हो जो जीवन के लिए उपयोगी होते है उसे देखें और बच्चों को भी दिखाएं।

काल्पनिक दुनिया से बाहर निकल कर जीवन में सच को अपनाएं। टीवी धारावाहिकों में दिखाए जाने वाले सभी धारावाहिक केवल मनोरंजन के लिए होते हैं इसे अपनी जिंदगी में उतारने का प्रयास बिल्कुल ना करें! जहां पर किसी प्रकार का एक दूसरे के प्रति सम्मान ना हो उन धारावाहिकों को देखना बिल्कुल बंद कर दें और बच्चों को भी इन सब से दूर रखें। ज्ञानवर्धक और भजन, कीर्तन, महान व्यक्तियों की गाथाएं कथाएं, यह सारी चीजें खुद भी देखें और बच्चों को भी दिखाए। फूहड़ता में सिमटे हुए धारावाहिकों की वजह से आज परिवार एकजुट होकर नहीं चलना चाहता है। लोग एक दूसरे के प्रति द्वेष भावना रखते हैं और धारावाहिकों में आने वाले गलत संवाद पर खूब चटकारे लेते हैं, जो खुशनुमा जिंदगी के लिए उपयोगी नहीं है। जिन धारावाहिकों, फिल्मों को देखकर आप अपनी संस्कृति भूल जाए तो समाज में रहने वाला हर इंसान जानवर प्रवृत्ति का हो जाएगा। इससे खुद बचे और आने वाली जनरेशन को भी बचाएं।

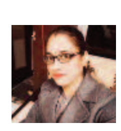

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर
उत्तर प्रदेश

कितना फायदेमंद:मुक्त व्यापार समझौता

दो देशों के बीच में व्यापार, सेवाओं और निवेश के सरलीकरण, आयात और निर्यात पर टैरिफ शून्य या कम करने, कोटा, सब्सिडी, बौद्धिक संपदा, सरकारी खरीद, प्रतिस्पर्धा आदि को दोनों देशों के हितों के अनुसार नियमित करने, व्यापार में तकनीकी बाधाएं दूर करने, निवेशकों को संरक्षण देने, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में सहयोग और व्यापार संबंधी अन्य प्रतिबंधों को हटाने के लिए किए जाने वाले समझौते को मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) की संज्ञा दी जाती है।

यह समझौता दो देशों में उत्पादन लागत कम करने, व्यापार और रोजगार बढ़ाने और बाहरी स्पर्धा से बचने में सहायक होता है।

विश्व का लगभग 15-17 फीसद, भारत का 18-19 फीसद, यूरोपियन यूनियन का 13 फीसद , चीन का 27 फीसद और जापान का 22 फीसद व्यापार मुक्त व्यापार समझौते से होता है। भारत ने अब तक लगभग 50 से अधिक देशों से व्यापार समझौते किए हैं, जिनमें 13 समझौते मुक्त व्यापार के हैं, शेष सीमित या व्यापक जो पारस्परिक व्यापारिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए किए गए हैं। श्रीलंका, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, जापान, मलयेशिया, चिली, मॉरीशस, यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौते हुए हैं। इंग्लैंड के साथ वार्ता चल रही है और इस वर्ष होली तक इस पर समझौते की आशा है। कनाडा और 'गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल' से भी मुक्त व्यापार पर वार्ता हो रही है, जिसमें अच्छी प्रगति है। 27 देशों के यूरोपियन यूनियन के साथ भी मुक्त व्यापार पर चर्चा हो रही है जिसमें कुछ प्रगति हुई है, किंतु बाधाएं बहुत हैं।

भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार संयुक्त राज्य अमेरिका है, 2021-22 में दोनों देशों के बीच 157 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ जो भारत के कुल विदेशी व्यापार का लगभग 11:30 प्रतिशत है। चीन दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जिसके साथ 2021-22 में 72.9 बिलियन डॉलर का कारोबार हुआ। 10 बड़े व्यापारिक साझेदार देशों में अमेरिका और चीन के बाद 2021-22 कारोबार-यूएई 73 बिलियन डॉलर, सऊदी अरब 42.8 बिलियन डॉलर, इराक 34.3 बिलियन डॉलर, सिंगापुर 30.1 बिलियन डॉलर, हांगकांग 30 बिलियन डॉलर, इंडोनेशिया 26.1 बिलियन डॉलर, साउथ कोरिया 25.5 बिलियन डॉलर, ऑस्ट्रेलिया 25 बिलियन डॉलर के हुए। इन देशों में मुक्त व्यापार समझौते अभी 4 देशों के साथ ही हुए हैं : सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, यूएई, एवं ऑस्ट्रेलिया। मुक्त व्यापार समझौता यूएई एवं ऑस्ट्रेलिया के साथ इसी वर्ष हुआ। यूनाइटेड किंगडम, जिसके साथ शीघ्र ही मुक्त व्यापार समझौते की आशा है भारत का 12वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2021-22 में दोनों देशों के बीच 29.6 बिलियन डॉलर का कारोबार हुआ जो पिछले वर्ष की अपेक्षा 8 बिलियन डॉलर अधिक था। दोनों देशों के बीच प्रस्तावित समझौते में टैरिफ, कोटा, सब्सिडी और अन्य प्रतिबंधों को कम करने, सामान, सेवाएं, निवेश, बौद्धिक संपदा, शैक्षणिक योग्यताओं को संयुक्त रूप से मान्यता देने आदि से संबंधित विषयों पर प्रावधान होंगे जो दोनों देशों के हित में होंगे।

द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों के अतिरिक्त क्षेत्रीय व्यापक व्यापार सहयोग के समझौते बहुत सारे देशों के साथ हुए हैं, जिनमें मुक्त व्यापार समझौते वाले देश भी शामिल रहे हैं-1) आसियान व्यापक आर्थिक सहयोग संधि; पूर्व एशिया के देश- ब्रुनेई, म्यांमार, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, और वियतनाम, 2) दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र संधि-नेपाल, भूटान, बांग्लादेश,पाकिस्तान, मालदीव, अफगानिस्तान, 3) एशिया प्रशांत व्यापार संधि- चीन, लाओस, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश और श्रीलंका एवं व्यापार में प्राथमिकता की व्यवस्था संबंधित समझौते-जिनमें अफ्रीकी, दक्षिण अमेरिकी, और मद्धेशिया के 42 देश-अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, चिली, क्यूबा, घाना, नाइजीरिया, इरान, इराक, लीबिया आदि शामिल हैं, जिनका उद्देश्य भी आपस में व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना, व्यापार और निवेश बढ़ाना एवं बाधाओं को कम करना होता है। दक्षिण एशिया के देशों के साथ भारत का व्यापार क्षमता से बहुत कम है, उसके विश्व व्यापार का मात्र लगभग 4 फीसद। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार इस क्षेत्र में जहां 62 बिलियन डॉलर व्यापार की संभावना है वहां यह मात्र 19 बिलियन डॉलर के आसपास है। इन देशों से व्यापार बढ़ाने के लिए 1994 में सार्क प्रेफरेंशियल अरेंजमेंट एवं 2004 में दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र पर भी हस्ताक्षर किए गए। संरक्षण नीति, इच्छाशक्ति एवं आपसी विश्वास में कमी इस क्षेत्र में व्यापार वृद्धि में बाधक हैं। लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भारत का व्यापार उसके विश्व व्यापार का लगभग 6 फीसद है।

-प्रो. लल्लन प्रसाद-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

हिंदुस्तान के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट आइलीग में सरगुजा को मिली जगह

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

हिंदुस्तान के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट आइलीग में सरगुजा जिले के अंडर-17 की टीम के खिलाडियों को जगह मिली है, जिसे लेकर जिला फुटबॉल संघ सरगुजा में उत्सह है। संघ को इलके लिए लंबे समय से इंतजार था जो पूर्ण हुआ है। उक्त बातें शुक्रवार को सरगुजा फुटबॉल संघ ने प्रेस वार्ता आयोजित कर कही। संघ के अध्यक्ष प्रबोध मिंज ने बताया कि आईलीग फुटबाल टूर्नामेंट में पहली बार छत्तीसगढ़ प्रदेश के जिला सरगुजा और बस्तर क्षेत्र के नारायणपुर की दो टीमें आईलीग में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेगी। टीम में अंडर-17 के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस खेल में लीग सिस्टम से ग्रुप वाइज मैच कराया जाएगा, जो हिंदुस्तान के अलग-अलग शहरों में इस टूर्नामेंट का किया जाएगा। इसके बाद सुपर लीग के लिए क्वालीफाई करेंगे उनका देश के किसी एक चयनित स्टेडियम में सेमीफाइनल क्वार्टर फाइनल और फाइनल मैच कराया जाएगा। सरगुजा के अडानी फुटबॉल एकेडमी टीम को आईलीग में शामिल होना एक बड़ी उपलब्धि है। यह पहला ऐसा मौका है जिसमें हिंदुस्तान के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट आइलीग में सरगुजा जिले के अंडर-17 की टीम ने जगह बनाई है।

प्रबोध मिंज ने बताया कि सरगुजा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों तक फुटबॉल को लेकर उत्साह देखने का अक्सर मिलता रहता है। वहीं शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक के खिलाडियों के लिए यह एक सुनहरा अवसर बन कर आया है जिससे वे आने वाले समय में फुटबॉल को लेकर राष्ट्रीय स्तर में अपनी एक पहचान बना सकेंगे। सरगुजा फुटबॉल संघ के अध्यक्ष प्रबोध मिंज ने बताया कि आईलीग के लिए टीम को भेजा जाएगा। जो कि देश के अलग-अलग शहरों में खेला जाएगा। टीम का खर्च संघ द्वारा ही किया जाना है। इसके लिए आईलीग कमेटी नहीं देगी। संघ ` अध्यक्ष ने खिलाडियों को प्रशासन की ओर से बजट उपलब्ध कराकर प्रोत्साहन करने की बात कही है। जिससे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को और निखार सकें। साथ ही अच्छे खेल के साथ पूरे देश में अपने प्रदेश और जिले का नाम रोशन कर सकें। प्रेस वार्ता के दौरान फुटबॉल संघ के सोमनाथ इक्षसह, रविन्द्र तिवारी, प्रेमानंद तिग्गा, विकास सिंह व अदानी फुटबॉल एकेडमी के कोच रामबहादुर लामा शामिल रहे।

भगा कर नाबालिग के साथ बलात्कार,तीन आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

प्रार्थी द्वारा थाना उदयपुर में प्रार्थी के नाबालिग लड़की को चन्द्रिका गोड़ एवं देवनाथ द्वारा बहला फुसला कर ले जाने एवं आरोपी अजय कुमार उराव द्वारा नाबालिग पीड़िता से अनाचार करने की लिखित रिपोर्ट दर्ज कराया गया था। जो तत्काल थाना उदयपुर में सदर धारा का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। थाना प्रभारी उदयपुर धीरेंद्र नाथ दुबे द्वारा मामले में जांच विवेचना कर आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु प्रयास की जा रही थी। पुलिस ने चन्द्रिका गोड़ साकिन उदयपुर एवं देवनाथ साकिन सन्ना जशपुर, एवं अनाचार के मामले मे आरोपी अजय कुमार उराव साकिन सांबरबाढ़ जिला जशपुर को पकड़कर पूछताछ किया गया। आरोपियों द्वारा घटना कारित करना स्वीकार किया गया। प्रकरण सदर में धारा 363, 376(2)(ढ) एवं पोक्सो एक्ट की धारा 6, के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

भाजपा की सुशासन यात्रा में भाग लेने पहुंची दीक्षा अग्रवाल गोवा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के 28 राज्यों की सरकारों ने देश में राष्ट्रवाद, सुशासन और सांस्कृतिक गौरव को पुनर्जीवित किया है। इसी नवजागरण को मजबूत करने के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के लिए सुशासन यात्रा की परिकल्पना की गई है। पूरे देश में अलग अलग राज्यों में भाजपा की सुशासन यात्रा चल रही है। इसी कड़ी में 3 से 5 दिसम्बर तक गोवा में सुशासन यात्रा का आयोजन हो रहा है। इस सुशासन यात्रा में भाग लेने देश के 40 महिला कार्यकर्ताओं में छत्तीसगढ़ से 3, जिसमें सरगुजा से भाजयुमो प्रदेश कन्या शक्ति संयोजिका दीक्षा अग्रवाल, बस्तर से प्रदेश उपाध्यक्ष दीपिका सोरी व लैलूंगा से जिला कन्याशक्ति संयोजिका जनपद सदस्य शांता भगत आज गोवा पहुंचीं।

उपरोक्त जानकारी देते हुए दीक्षा अग्रवाल ने कहा है कि सुशासन यात्रा एक अनूठा अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम है जहां भाजयुमो के पदाधिकारियों को विशेष रूप से जिला और मंडल स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा राज्य सरकारों के तहत प्रगति और विकास कार्यों को देखने और सीखने के लिए विभिन्न राज्यों की यात्रा करने का अवसर मिलेगा। इसका उद्देश्य भाजयुमो कैडर को व्यापक दर्शन देना और उनके संबंधित क्षेत्रों में उन्हें कल के नेताओं के रूप में तैयार करते हुए उनकी कल्पना और आकांक्षाओं के क्षितिज का विस्तार करना है। दीक्षा ने बताया कि भारत दर्शन के माध्यम से देश की सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक समृद्धि से विभिन्न स्थानों के दौरों से परिचित कराया जाएगा। देश के विभिन्न राज्यों की सबसे बड़ी विकासात्मक परियोजनाओं का दौरा करने और स्टार्टअप उद्यमियों, कुटीर उद्योगों और किसानों के साथ चर्चा में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

मेगा प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 10 से 15 दिसंबर तक

- संवाददाता -
सूरजपुर, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण रायपुर द्वारा मेगा प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 10 दिसंबर 2022 से 15 दिसंबर 2022 के मध्य किया जाना है। उक्त कैम्प में 9 सेक्टरों के 91 नियोजकों के माध्यम से 46,616 रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जायेगी। कैम्प के माध्यम से चयनित आवेदकों को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाऐगा। इच्छुक आवेदक https://forms.gle/qw}z{hKhoDAbYWs| पर अपना पंजीयन करा सकते है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने उदयपुर विकासखंड के विद्यालयों का किया निरीक्षण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. संजय गुहे ने उदयपुर विकासखण्ड के विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं में सुधार करने हेतु निर्देश दिए गए। सबसे पहले हाई स्कूल लक्ष्मणगढ़ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिक्षक दैनन्दिनी के संधारण में अनियमितता पाई गई। दर्ज संख्या बढ़ाने तथा उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए गए। हाई स्कूल सायर में दर्ज संख्या बढ़ाए जाने हेतु प्रयास किए जाने के निर्देश दिए गए। एक शिक्षक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बीपीओ के पद पर संलग्न थे। जिन्हें आदेश के साथ कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिया गया। उमावि केदमा में श्वेता शरण व्याख्याता एलबी बिना किसी सूचना के अनधिकृत रूप से शाला से अनुपस्थित पाई गई। इनके वेतन रोकने के निर्देया दिए। विद्यालय में दर्ज संख्या के अनुपात में उपस्थिति कम पाई गई।

जिसे बढ़ाने के निर्देश दिए गए। शिक्षक दैनन्दिनी का विधिवत संधारण नहीं पाया गया। गृह कार्य एवं प्रायोगिक कार्य, प्रायोजना कार्य नियमित रूप से कराए जाने के निर्देश दिए गए। बोरवेल में पंप लगाने हेतु प्रयास किए जाने का निर्देश दिया गया।

शिक्षा विभाग कर रहा लगातार कार्रवाई

- संवाददाता -
सूरजपुर, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी विनोद रॉय ने संकुल प्राचार्यो को निर्देशित किया है कि सभी प्राचार्य अपने संकुलों का लगातार निरीक्षण करा जानकारी जिला कार्यालय में प्रेषित करें। इसी तारतम्य में 02 दिसम्बर 2022 को स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में श्री संतोष कुमार शर्मा शिक्षक मानी, किरण चौरसिया शिक्षक मानी, कु. जुलेता तिर्की सहा. शिक्षक प्रा.शा. कोदवारीपारा, श्री धीरज पटेल सहा.शि. नवापारा बटई, श्री रामूराम मानिक प्रधान पाठक मा.शा. चांचीडांडी, हेमन्त कुमार सहा.शि. प्रा.शा. नरवापारा सौतार, श्री चन्द्रधन सिंह सहा. शि. प्रा.शा. चिटकापारा, श्री डी.पी. राजवाड़े प्रधान पाठक मा.शा. परमेश्वरपुर, श्री प्रमोद कुमार टोप्पो सहा.शि. प्रा.शा. कोड़ाकूपारा नवाडीह, श्री बेचन राम मरपच्ची प्रधान पाठक मा.शा. पम्पानगर, श्री रामहित राम प्रधान पाठक प्रा.शा. अक्षयपुर, श्री राकेश सिह सहा. शि. प्रा.शा. माझापारा, श्री जगत सिंह सहा.शि. प्रा.शा. साल्ही, श्री मोहन सिंह सहा.शि. प्रा.शा. खोरखोरीपारा, श्रीमती पूनम सिंह सहा.शि. प्रा.शा. मनवारपारा, श्री सागीर आलम शिक्षक मा.शा. पस्ता, श्री सुखदेव नेताम प्रधान पाठक मा.शा. खोरखोरीपारा, श्री कृष्ण कुमार यादव शिक्षक मा.शा.. पतरापाली. श्री महेन्द्र पटेल शिक्षक पतरापाली, विकासखण्ड, प्रतापपुर श्री विनोद कुमार सिंह प्रधान पाठक मा.शा. सलका, श्री चंदन साय शिक्षक मा.शा. श्यामपुर, श्री अमरजीत सिंह शिक्षक मा.शा. वृन्दावन, श्री परस राम शिक्षक मा.शा. रामेश्वरनगर विकासखण्ड प्रेमनगर, श्रीमती ज्योति एक्का शिक्षक मा.शा. मोहरसोप, श्री अर्जुन पण्डो सहा.शि. प्रा.शा. जेल्हा, श्री राजमन पण्डो सहा.शि. प्रा.शा. बसनारा विकासखण्ड, प्रेमनगर इसके अतिरिक्त अन्य शिक्षकों को अनुपस्थित पाये जाने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया ।

किसान क्रेडिट कार्ड,आयुष्मान कार्ड,आधार कार्ड के शत-प्रतिशत की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सीईओ,संयुक्त कलेक्टर,डिप्टी कलेक्टर नोडल अधिकारी नियुक्त

कलेक्टर ने जारी किया आदेश....

- संवाददाता -
सूरजपुर, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा ने आदेश जारी किया है कि जिले में शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने हेतु सुश्री लीना कोसम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है। सुश्री लीना कोसम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर का दायित्व होगा कि वे उप संचालक कृषि उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं सहायक संचालक, मत्स्य, सहायक संचालक, उद्यानिकी, जिला सूरजपुर से समन्वय स्थापित कर शत-प्रतिशत व्यक्तियों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

इसी तरह जिले में बनाये जा रहे आयुष्मान कार्ड की नियमित समीक्षा एवं शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सुश्री प्रियंका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर, जिला कार्यालय सूरजपुर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। सुश्री प्रियंका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर, जिला कार्यालय सूरजपुर का दायित्व होगा कि ये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सूरजपुर तथा समस्त विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी, जिला सूरजपुर से समन्वय स्थापित कर शत प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

जिले में आधार कार्ड के अपडेशन कार्य की नियमित समीक्षा एवं शत प्रतिशत व्यक्तियों को आधार कार्ड की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु श्री नंदजी पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर, जिला कार्यालय सूरजपुर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है। श्री नंदजी पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर जिला कार्यालय सूरजपुर का दायित्व होगा कि ये ई-जिला प्रबंधक, जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी सूरजपुर से समन्वय स्थापित कर शत-प्रतिशत व्यक्तियों को आधार कार्ड उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। आदेश में कहा गया है कि समय-सीमा की बैठक में साप्ताहिक प्रगति से अधोहस्ताक्षरकर्ता को अवगत कराएंगे।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

- संवाददाता -
सूरजपुर, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा के निर्देशन एवं श्री चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग सूरजपुर के मार्गदर्शन में 25 नवंबर 2022 से 10 दिसंबर 2022 के मध्य महिला हिंसा को समाप्त करने के उद्देश्य से जिले के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर की बच्चियों में के मध्य समाज में महिलाओ के विरुद्ध हो रही घटनाओ एवं हिंसाओ के संबंध में जागरूक किया गया साथ ही महिला हिंसा को समाप्त करने के संबंध में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया। जिसमें महिला हिंसा, साइबर क्राइम, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न, सखी वन स्टॉप सेंटर एवं महिलाओं से संबंधित सभी प्रकार के अपराध के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही बालिकाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

एड्स एक जान लेवा संक्रामक है,दूसरे को भी कर सकता है प्रभावित : मंगल पाण्डेय

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एड्स जागरूकता सप्ताह अन्तर्गत चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी, सरगुजा साइंस ग्रुप एजुकेशन सोसायटी, शियती सोशल वेलफेयर सोसायटी एवं छत्तीसगढ़ अलाइंस फ़ॉर बिहेवियर चेंज के संयुक्त तत्वावधान में राजमोहिनी देवी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर में एड्स जागरुकता एवं युवा विकास कार्यक्रम सह संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं अतिथियों के स्वागत से हुआ। इस दौरान कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी के निदेशक मंगल पाण्डेय ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि एड्स एक जान लेवा संक्रामक रोग है। एचआईवी एक ऐसा वायरस है जो मनुष्य के शरीर के श्वेत रक्त कणों में प्रवेश कर श्वेत रक्त कणों का विनाश करते हैं । जिससे मनुष्य के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता धीरे -धीरे घट जाती है। एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के शरीर के अनेक तरल रसों में पाये जाते हैं। दुसरे को संक्रमित कर सके इतनी मात्रा में सिर्फ रक्त तथा लैंगिक रसों में होते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि सरगुजा विश्वविद्यालय के विधायक प्रतिनिधि आलोक सिंह ने कहा कि एचआईवी से सतर्कता ही बचाव है, इस पर खासकर युवाओं को स्वयं जागरूक होने की आवश्यकता है। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि जन शिक्षण संस्थान के निदेशक एम.सिद्दीकी ने कहा कि जागरूकता एक ऐसा चरण है जो कि हर रोज हमें कुछ न कुछ नया सीखने, समझने और फिर उसे अपने जीवन में ढालने की प्रेरणा देता है। जागरूक हम तभी होंगे जब स्वयं के जीवन में बताये गये बातों को उतारें, उन्होंने एड्स के लगातार बढ़ते आंकड़ों पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वयं एवं आसपास जागरूक करने का आह्वान किया। महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. एजेन टोप्पो ने कहा कि यह हमारे महाविद्यालय के शिक्षण का एक भाग है। ऐसे आयोजन होने से बच्चों को इससे काफी लाभ होता है। इस दौरान सहायक प्राध्यापक डॉ अलका जैन, ममता दिव्य, लता जायसवाल, विवेक सिंह, रमेश यादव, अमीना खातून, विनीता लकड़ा, सुमन, अनुरंजना, रिया, अमीषा, प्रतिमा सहित अन्य लोगों का कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान काफी संख्या में उपस्थित छात्राओं ने अपनी बात रखी ।साथ ही छात्राओं के समस्याओं के समाधान का बेहतर विकल्प अतिथियों एवं विषय विशेषज्ञों के द्वारा दिया गया।

जिस पुलिस थाने के सामने से चोरी का अवैध कोयला और कबाड़ लादकर ट्रकें जाती रहीं,ऐसा क्या हुआ कि हुई बड़ी कार्यवाही ?

क्या टीआई सीएसपी सोते रह गए,एडिशनल ने खड़गवां थाने की मदद से पकड़ा 3 ट्रक कबाड़ ?

- रवि सिंह-
चिरमिरी/मनेंद्रगढ़ 1 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)

चिरमिरी मनेंद्रगढ़ में कबाड़ का अवैध कारोबार अपनी जड़ें मजबूत कर चुका है जड़ों को काटने के लिए पुलिस नाकाम दिख रही थी, यही वजह थी कि जड़ें काफी तेजी से मजबूती के साथ फैलती जा रही थी, अवैध कारोबार की जड़ें काटी जाएंगी और अवैध कारोबार बंद होगा इस बात की उम्मीद लोगों ने पुलिस से लगाना ही छोड़ दी थी पर अचानक सरगुजा संभाग के पुलिस महानिरीक्षक का बदलना और जड़ की कटाई शुरू होना कहीं न कहीं एक बार फिर से उम्मीद जगी है की चिरमिरी मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में पूरी तरह से अवैध कारोबार बंद हो सकता है, बस इसके लिए इमानदार अधिकारी व इमानदार थाना प्रभारी की जरूरत है जो लगता नहीं कि फिलहाल जिले में मौजूद हैं, कबाड़ ट्रकों में भरकर बाहर जा रहा था इसकी सूचना शायद चिरमिरी सीएसपी व टीआई को भी नहीं होगी पर इसकी सूचना मनेंद्रगढ़ में बैठे एडिशनल को मिली और एडिशनल ने इन तीनों गाड़ियों को खड़गवा में पकड़ कार्यवाही कर दी ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर चिरमिरी पुलिस क्या कर रही थी जब कबाड़ लद रहा था और क्या इस बात की जानकारी प्रभारी को नहीं लगी जब इनके रहते अधिकारी को ही कार्यवाही करनी पड़ी, इससे यह पता चलता है कि प्रभारी कितने अवैध कारोबार को लेकर चौकन्ना है? कहीं न कहीं अवैध कबाड़ का पकड़ा जाना यह भी बता रहा है कि चिरमिरी क्षेत्र में अवैध कबाड़ का कारोबार हो रहा था पर पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी, अब अचानक आईजी का बदलना और कार्यवाही का तेज होना स्थानीय पुलिस पर सवालिया निशान खड़ा करता है?

क्या कहती है पुलिस की विज्ञप्ति

पुलिस की विज्ञप्ति के अनुसार थाना खड़गवां पुलिस द्वारा अवैध कबाड़ पर बड़ी कार्यवाही हुई, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज रामगोपाल गर्ग के द्वारा रेंज के समस्त पुलिस अधीक्षकों को अवैध सट्टा, जुआ, कबाड़ पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था, जिस संबंध मे पुलिस अधीक्षक एमसीबी टीआर कोशिमा द्वारा अवैध सट्टा, जुआ, कबाड़ पर कार्यवाही करने आदेशित करने पर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमेश बरैया एवं नगर पुलिस अधीक्षक पीपी सिंह के निर्देशित करने पर परिपालन में दिनांक 30.11.2022 को 03 ट्रको में अवैध कबाड़ लोड कर रायपुर तरफ जाने की सूचना प्राप्त होने पर थाना खड़गवां के टीम के द्वारा खड़गवां मेन रोड के पास नाकाबंदी कर कबाड़ लोड ट्रको को रोकवाया गया, जिस में ट्रक क्र. सीजी 15 एसी 0187 में 26.030 टन कीमती 963011 रूपये, दुसरे ट्रक क्र. सीजी 15 एसी 4989 में 22.930 टन कीमती 848410 रूपये व तीसरी ट्रक क्र. सीजी 15 एसी 5167 में 08 टन कीमती 296000 रूपये है कुल जुमला 56.96 टन कीमती 2107421 है कुल जप्त सम्पत्ती जुमला 8107421 रूपये। तीनो वाहन चालको को धारा 91 जा.फौ. का नोटिस देकर उक्त कबाड़ की परिवहन करने के संबंध मे दस्तावेज का मांग किया गया जो उक्त संबंध में कोई दस्तावेज नही होना पाये जाने पर आरोपीगण चालक नीरज टोप्पो, सूरज टोप्पो, अब्दुल कादर, विजय शंकर के विरूद्ध धारा 41 (14) / 379 भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपियों ने पूछताछ पर उक्त सम्पूर्ण कबाड़ को हल्दीबाड़ी चिरमिरी से लोड करना एवं उक्त कबाड़ लकी परासर को होना बताये जो घटना समय से फरार है आरोपियो के विरूद्ध धारा सदर का अपराध घटित पाये जाने से आरोपियों को गिर० कर न्यायिक भेजा गया व जप्त कबाड़ व ट्रकों को जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी खड़गवा विजय सिंह, सउनि ओमप्रकाश जायसवाल, सउनि राम बाबू दोहरे, प्र.आर. सुखलाल खलखो, आर. सुरेश तिग्गा, आर. राज कुमार सेन, चालक आर. जशप्रीत सैनी, आर. दिनेश साहू सैनिक प्रमोद साहू, सैनिक विनय श्याम का सराहनीय योगदान रहा।

- » टीआई व सीएसपी की मौजूदगी फिर चिरमिरी का कबाड़ कैसे जा रहा था बाहर खड़गांव में एडिशनल ने पकड़ा ?
- » चिरमिरी से 90 किलोमीटर दूर बैठे आईजी के मार्गदर्शन में एडिशनल ने पकड़ा कबाड़-सूत्र
- » ऐसे थाना प्रभारी का क्या काम जब उनके क्षेत्र के अवैध धंधों की कार्यवाही करने आना पड़े अधिकारी को ?
- » 57 टन कबाड़ से लदी तीन ट्रक जप्त, जिसकी कीमत 21 लाख बताई जा रही है
- » क्या क्षेत्र में जितने भी एसईसीएल से कलपुर्जे की चोरी हो रही थी क्या वही है यह कबाड़ ?
- » तीन ट्रक कबाड़ पकड़ा जाने से यह तो साफ हो गया कि बड़े पैमाने पर हो रहा था कबाड़ का कारोबार
- » नामचीन कबाड़ियो का नाम भी आरोपियों ने लिया पर मनेंद्रगढ़ के कबाड़ी बच निकले

चिरमिरी में अवैध कबाड़ और कोयला चोरी का बड़े स्तर पर होता है काम

चिरमिरी थाना क्षेत्र में अवैध कबाड़ और कोयला चोरी का बड़े स्तर पर कारोबार होता है,चिरमिरी में कोयला चोर जहां दिनदहाड़े ही जेसीबी लगाकर कोयला की खुदाई करते है और बड़ी बड़ी कई ट्रकों में लादकर वह उसे अन्य राज्य ले जाकर बेचते हैं वहीं कोयला चोरी का यह पूरा कारोबार खुलेआम सबकी नजर के सामने होता है और पुलिस भी इससे अनभिज्ञ नहीं रहती वहीं एसईसीएल से चोरी किया गया कबाड़ भी चिरमिरी से चोरी कर बाहर ले जाया जाता है और यह काम भी बड़े स्तर पर ही होता है और बताया जाता है कि कई गाड़ियां प्रतिदिन कबाड़ बाहर ले जाया जाता है और पुलिस मौन बनी रहती है।

अवैध कबाड़ पर पहली बार दिखी बड़ी कार्यवाही

अवैध कबाड़ मामले में चिरमिरी का अवैध कबाड़ तीन ट्रकों में भरकर चोरी से बाहर भेजा जा रहा था और जिसे एडिशनल एसपी ने खड़गवां में पकड़ा है,यह कार्यवाही अभी तक की बड़ी कार्यवाहियों में गिनी जा रही है और कबाड़ मामले में पुलिस की पहली सक्रियता दर्शा रही है। इसके पहले न पुलिस कड़ाई से जांच करती थी वाहनों का और न कबाड़ या कोयला मामले में कार्यवाही करने आगे आती थी।

थाना प्रभारी की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवाल

चिरमिरी थाना प्रभारी की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं,उनके थाना क्षेत्र में कबाड़ कोयला चोरी दिनदहाड़े हो रहा है और यह पता नहीं किस तरह से कानून व्यवस्था सम्हाल रहें हैं कि उनके नाक के ही नीचे सभी अवैध कारोबार संचालित हो रहें है और उन्हें खबर तब लगती है जब कबाड़ खड़गवां पुलिस थाना क्षेत्र में पकड़ लिया जाता है,कुलमिलाकर थाना प्रभारी किस तरह से कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी सम्हाल रहें हैं साबित होता है।

नए पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा के पदभार ग्रहण करते ही सोई पुलिस जगने लगी

संयोग नहीं कहा जा सकता और न ही सक्रियता ही कही जा सकती है,कबाड़ और कोयला चोरी मामले में एमसीबी जिले सहित कोरिया जिले की पुलिस की कार्यवाहियों को लेकर यही कहा जा सकता है कि नए पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा संभाग के पदभार ग्रहण करते ही सो चुकी कोरिया व एमसीबी पुलिस जग चुकी है और फिलहाल जगी हुई है और कार्यवाहियां दिख रहीं हैं। कबाड़ और कोयला चोरी लगातार हो रहा था ऐसा भी नहीं कि पुलिस अनभिज्ञ थी,बस नहीं पकड़े जाने के पीछे की वजह थी सोए रहना जानकर अनजान बने रहना जो अभी नहीं देखा जा रहा है।

क्या दिखावे के लिए हो रही कार्यवाही,या जारी रहेगी कार्यवाही?

नए पुलिस महानिरीक्षक के पदभार ग्रहण करते ही कोरिया पुलिस और एमसीबी जिले की पुलिस चुस्त दुरुस्त दिख रही है,अब अवैध कारोबार पर फिलहाल रोक लगी है और कारोबार कुछ हद तक बंद हैं,अब देखना यह कि यह कड़ाई यह कार्यवाही लगातार जारी रहने वाली है या पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा के प्रथम दौरे के बाद यह बंद हो जाने वाली है और फिर पुराने र्ढरे पर पुलिस की कार्यप्रणाली दिखने वाली है,वैसे जो भी हो चार सालों बाद पुलिस की सक्रियता दिख रही है और कार्यवाहियां भी दिख रहीं है।

क्या कबाड़ पकड़वाने में प्रतिस्पर्धा मुख्य वजह ?

सूत्रों की माने तो पहले चिरमिरी क्षेत्र का कबाड़ का गढ़ था यहां पर एक कबाड़ी का लंबे समय से एकछत्र राज्य था, कोई भी कंपीटीटर नहीं था पर अब मनेंद्रगढ़ में इसके कंपीटीटर के तौर पर एक और कबाड़ी बैठ गया, जिस वजह से दोनों कबाड़ीयो में प्रतिस्पर्धा होने लगी, दोनों कबाड़ी एक दूसरे को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते और यही वजह है कि कबाड़ियों के बीच तनातनी की स्थिति है, मनेंद्रगढ़ में बैठक कबाड़ी को की दुकान बंद हुई तो उसने चिरमिरी कबाड़ी की दुकान बंद करने की तरकीब लगाई, जिस तरकीब का नतीजा निकला कि तीन ट्रक कबाड़ पुलिस के हत्थे प्रतिस्पर्धा में चढ़ा, जो भी हो पर ठीक है क्योंकि अवैध कारोबार में लिप्त लोग अपनी कमाई के लिए वर्दी को खरीदना सीख गए थे, अवैध कारोबार करने के लिए खादी, खादी व लोकतंत्र के चौथे स्तंभ जैसे बैठे लोगों को खरीदा जाता था, अब शायद उन्हें इस बात का अंदाज हो जाएगा कि सबको खरीदा नहीं जा सकता, क्योंकि कुछ लोग अपना जमीर नहीं बेच पाते जिनके दम पर आज देश व न्याय प्रणाली टिकी हुई है खरीदने से अच्छा है कि इस कारोबार को ही छोड़ दिया जाए।

- » लगातार अवैध कोयले व कबाड़ लदी ट्रकों को बिना जांच ऐसे ही क्यों जाने दिया जाता रहा उठ रहे सवाल ?
- » उच्च अधिकारियों के दबाव में है यह पहली कार्यवाही,अब तक कार्यवाहियों से बचते रहे अवैध कारोबारी
- » थाना प्रभारी भी कभी नहीं दिखे अवैध कारोबार को रोकने में सजग, जारी रहा लगातार अवैध परिवहन का कारोबार

- रवि सिंह -
चिरमिरी/मनेंद्रगढ़ 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एमसीबी जिले के खड़गवां पुलिस थाना क्षेत्र से तीन ट्रक अवैध कबाड़ पकड़े जाने के मामले में पुलिस थाना खड़गवां की अब तक कि भूमिका पर सवाल खड़ा हो रहा है, पुलिस थाना खड़गवां मुख्य मार्ग पर ही स्थित है और इसी मार्ग से अवैध कबाड़ अवैध कोयला लगातार बाहर जा रहा था और खड़गवां पुलिस थाना अनजान था ऐसा मानना कहीं से सही नहीं लग रहा है। खड़गवां पुलिस थाना क्षेत्र से कई ट्रक अवैध कबाड़ और कोयला पहले भी परिवहन कर बाहर ले जाया गया होगा और उसकी जानकारी थाना में पदस्थ पुलिसकर्मियों को नहीं लगी होगी ऐसा मानना भी सही नहीं लगता, आईजी सरगुजा के पॉइंट पर पहली बार कबाड़ लदी तीन ट्रकें पकड़ी गई और इसके पहले कभी भी कोई कार्यवाही एक भी पुलिस थाना खड़गवां ने नहीं कि इसको लेकर यह सवाल उठता है कि क्या सबकुक तय किया जाकर ही अवैध कारोबार चल रहा था जिसमें वाहनों को नहीं पकड़े जाने का भी समझौता शामिल था और खड़गवां पुलिस थाना मामले में जानकर भी अनजान बना रहता था।

अब जब तीन तीन ट्रक अवैध कबाड़ पुलिस ने जब्त किया है और स्वयं एडिशनल एसपी ने खड़गवां पुलिस थाना क्षेत्र में जब्त किए हैं तो ऐसे में यह भी समझा जा सकता है कि कबाड़ का अवैध कारोबार कितनी सेटिंग के साथ जारी था, जहां खड़गवां थाना क्षेत्र में गाड़ी कभी पकड़ी नहीं जाएगी इस बात को लेकर अवैध कारोबारी निश्चिन्त हुआ करते थे। खड़गवां पुलिस थाना बिलासपुर रायपुर मुख्य मार्ग पर स्थित है और इसी मार्ग से बड़ी वाहनों का आवागमन होता है, खड़गवां थाना क्षेत्र से बिलासपुर रायपुर जाने हेतु कई सड़कें हैं और सभी सड़कें पुलिस थाना पार करने के बाद ही हैं इसके बावजूद कबाड़ व चोरी के कोयले पर कभी थाना क्षेत्र में कार्यवाही नहीं हुई थी। खैर इसबार भले ही एडिशनल एसपी ने कार्यवाही की है कबाड़ जब्त किया है और अब उम्मीद जगी है कि जरूर ऐसी कार्यवाहियां होती रहेंगी और अवैध कारोबार पर अंकुश लग सकेगा वरना इससे पहले तो लगातार अवैध कारोबारियों के ही हौसले बुलंद होते आ रहे थे और पुलिस की कार्यप्रणाली भी मिलीभगत वाली ही सामने समझ मे आ रही थी।

यदि पुलिस पहले भी सक्रिय व ईमानदारी होती तो अबतक सैकड़ों ट्रक कबाड़ और कोयला जब्त होते

कबाड़ की तीन ट्रकें खड़गवां पुलिस थाने में जब्त हुई हैं यदि खड़गवां पुलिस पहले भी सक्रियता से ईमानदारी से काम करती अबतक सैकड़ों ट्रक कबाड़ और कोयला जब्त हुआ होता और अवैध कारोबारियों पर लगाम कसी जा चुकी होती,वैसे कबाड़ का व्यवसाय जो चिरमिरी से चलाया जाता है और वहीं के स्थानीय कुछ लोग इस चोरी के पेशे में लगे हुए हैं को इसबात का भी फायदा खड़गवां पुलिस थाने से मिलता है कि खड़गवां पुलिस थाना प्रभारी स्वयं चिरमिरी के निवासी हैं और सभी से उनका बेहतर जान पहचान भी है। अब जान पहचान ही तो कहीं अवैध कारोबारियों को रियायत देने की वजह नहीं यह तो वही जाने लेकिन रियायत दी जाती रही है इसमें शक नहीं यह कहा जा सकता है।

अवैध कारोबारियों को जब चोरी का सामान रायपुर की तरफ पहुंचाना होता है तो खड़गवा थाना से गुजरना पड़ता है

बैकुंठपुर और चिरमिरी के अवैध कारोबारियों को जब अपना चोरी का सामान रायपुर की तरफ पहुंचाना होता है तो उसे खड़गवा थाना होकर गुजरना पड़ता है, बैकुंठपुर और चिरमिरी के दोनों स्थानों के अवैध कारोबारी अन्य रास्तों से यदि जाते हैं तो उन्हें कई थानों में थानेदार की रंगदारी देनी पड़ती है, लेकिन अगर खंडगवा थाने होकर गुजरते हैं तो सीधे कोरबा जिला लग जाता है इस तरह से मात्र एक थाना में सेटिंग बनाकर अपराधी अपना कार्य को अंजाम दे रहे हैं, सवाल यह उठता है कि आखिर आज पुलिस के आला अधिकारियों का जब दबाव आया तो खंडगवा प्रभारी ने कार्रवाई कर दी वरना प्रत्येक गाड़ी से एंट्री लेकर लगातार उनके द्वारा गाड़ी छोड़ा जाता रहा है, बड़ा सवाल यह भी उठता है कि थाने के सामने एक बेरियर लगा हुआ है जो रात्रि 9 बजे के बाद बंद हो जाता है और सुबह तक बंद रहता है कोई भी छोटी बड़ी गाड़ी जब वहां से गुजरती है तो बिना थाना प्रभारी के सहमति के वह गाड़ी नहीं गुजरती आखिर प्रतिदिन चिरमिरी से 1 दर्जन से अधिक गाड़ियां कोयला लोहा लेकर गुजरती हैं तो क्या खंडगवा के थाना प्रभारी का उस समय नजर नहीं पड़ता या तो फिर कबाड़ी उसे सांठगांठ करके बड़े पैमाने पर उगाही का हिस्सा बने हुए थे।

थाना प्रभारी पिछले कई सालों से इसी जिले में पदस्थ हैं

थाना प्रभारी पिछले कई सालों से इसी जिले में पदस्थ हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि वह इसी जिले के चिरमिरी के निवासी भी हैं हवलदार से लेकर सहायक उपनिरीक्षक तक बन गए थाना प्रभारी इसी जिले में कैसे टिके हुए हैं सूत्रों की माने तो थाना प्रभारी के भी सेटिंग सभी अपराधियों से रही है चिरमिरी मनेंद्रगढ़ खंडगवा बैकुंठपुर आदि सभी थानों में वे रह चुके हैं सूत्रों की माने तो सीधा संबंध कारोबारियों रहा है पुलिस के आला अधिकारी को चाहिए कि तत्काल प्रभाव से जो वर्षों से एक जिले में थाना प्रभारी जमे हुए हैं उन्हें जिले का बाहर का रास्ता दिखाएं, ताकि शांत और सौम्य वातावरण वाले इस सरगुजा संभाग में शांति कायम रहे, वरना जिस तरह से इन दिनों लूट खसौट और अपराधियों का मनोबल बढ़ा है वह दिन दूर नहीं की या भी बिहार यूपी के तर्ज पर गैंगवार और अवैध उगाही का अड्डा बन जाएगा।

बिना मां-बाप के मूक बधिर मृत भुलई के गुनाहगारों को कब मिलेगी सजा

पुलिस विभाग की निष्पक्षता पर उठे कई सवाल

- पृथ्वीलाल केशरी -
रामानुजगंज 02 दिसम्बर 2022
(घटती घटना)

बलरामपुर जिले में मुकवधिर से हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने बायरल वीडियो के आधार पर संज्ञान लेते हुए मामले की विवेचना में जुट गई है,,लेकिन मामले में बड़ा सवाल यही है कि स्थानीय पुलिस द्वारा अब तक मामले में कोई कार्यवाही क्यो नही की गई थी ,जिसके कारण अब कई सवाल खड़े हो रहे है। दरअसल पूरा मामला जिले के वाड्रफनगर पुलिस चौकी क्षेत्र का है जहाँ पर सितंबर माह में रघुनाथ नगर थाना क्षेत्र के शंकरपुर निवासी एक मुकवधिर युवक जिसका नाम भुलई था और उसके अपने माता पिता नही थे कम उम्र में ही वह कही से घूमते फिरते शंकरपुर निवासी सहदेव गोड को मिल गया था,और उसका लालन पालन बचपन से सहदेव गोड ने ही किया थाभुलई जन्म से ही मुकवधिर था जो सहदेव के यहाँ रहकर पला बढ़ा था ,सहदेव की अपनी बेटी की शादी वाड्रफनगर पुलिस चौकी क्षेत्र के पशुपतिपुर गांव में हुई थी ,जिससे मिलने के लिए सितंबर महीने में भुलई जा रहा था ,लेकिन रामनगर गांव में कुछ लोगो ने उसको अंजान समझते हुए बच्चा चोरी का आरोप लगा दिया ,चुकी भुलई बोल नही पाता था तो वह अपनी बात को गांव वालों के सामने रखने में असमर्थ था ,लेकिन गांव के कुछ लोगो ने भुलई के साथ गिरोह बनाते हुए जुलूस निकालकर मारपीट की थी जो कि बायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस चौकी वाड्रफनगर में दी गई थी ,लेकिन फिर भुलई के पालक सहदेव ने मारपीट करने वालो से समझौता करते हुए घटना की रिपोर्ट को वापस ले लिया था ,और मारपीट करने वालो के द्वारा ही भुलई का इलाज करवाने की जिम्मेदारी ली गई थी ,लेकिन घटना के करीब 15 दिन के भीतर भुलई की मौत अम्बिकापुर के मिशन अस्पताल में हो गई थी हालाकि भुलई की मौत की वजह अभी स्पष्ट नही हो पाई है,जिसके बाद मृतक के शव का बगैर पोस्टमार्टम के ही गांव में ले जाकर शव को दफना दिया गया और मामले में चुप्पी साध ली गई ,लेकिन जब मीडिया के द्वारा मामले को उजागर किया गया तब पुलिस अब जांच टीम बनाकर मामले की जांच में जुट गई है और दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करने की बात कह रही है ,चुकि मृतक भुलई के कोई अपने सगे माँ बाप नही होने से उसकी मौत के मामले में पर्दा डालने की कोशिश भी की गई है लेकीन अब अगर मामले की जांच में निस्पश्छता बरती जाएगी तो बिना माँ बाप के मुकवधिर मृत भुलई के कई गुनाहगारों को सजा मिल सकती है।

उक्त मामले में जिला न्यायाधीश ने लिया संज्ञान

उक्त मामले में अध्यक्ष,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलरामपुर के वाड्रफनगर पुलिस चौकी के रामनगर में एक गूंगे को बच्चा चोर समझ भीड़ ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया और पुलिस में सूचना दी गई, लेकिन पुलिस के द्वारा उक्त संबंध में अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

वाड्रफनगर के शंकरपुर निवासी पूर्व सरपंच सहदेव सिंह ने एक गूंगा बालक भुलई का लालन-पालन किया था और बड़े होकर उनके घर में ही काम करता था। 35 वर्षीय भुलई गूंगा था और वह 04 अक्टूबर को बसपतिपुर सरपंच के रिश्तेदार के यहां जा रहा था, तभी कुछ लोगों ने रामनगर में उसे बच्चा चोर समझ लिया और उसके साथ मारपीट की। युवक को बंधक बनाया और करंट की शॉर्ट भी दिया गया। वहीं लोगों ने रैली की शक्ल में सड़क पर लाठी से उसे खूब पीटा, इसके बाद उसे छोड़ दिया। गंभीर हालत में वाड्रफनगर में भर्ती कराया गया। जब हालत बिगड़ी तो उसे अंबिकापुर मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन घटना के 10 दिन बाद उसकी मौत हो गई। उपरोक्त घटना के संबंध में अध्यक्षजिला न्यायाधीश द्वारा मामले को संज्ञान में लेते हुए उक्त गूंगा व्यक्ति भुलई के मामले में पुलिस विभाग द्वारा की गई लापरवाही एवं आरोपियों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है, के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही कराने के लिए पुलिस अधीक्षक बलरामपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.) को पत्र प्रेषित किये जाने हेतु निर्देशित किया है जिला न्यायाधीश द्वारा उक्त घटना में दोषी पाये जाने वाले आरोपियों पर जल्द से जल्द कार्यवाही करने एवं पीड़ित पक्ष को नियमानुसार मुआवजा राशि प्रदान करने के लिए भी पुलिस अधीक्षक बलरामुपर जिला बलरामपुर- रामानुजगंज (छ.ग.) को निर्देशित किया गया है।

यातायात पुलिस सूरजपुर द्वारा सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटवाया

- संवाददाता -
सूरजपुर, 02 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

अतिक्रमण के कारण सड़क पर आने-जाने वालों को हो रही परेशानी व लगने वाले जाम की समस्या से लोगों को छुटकारा दिलाने के प्रयास में यातायात पुलिस जुट गई है। पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में शुक्रवार को यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय अपनी टीम के साथ अभियान चलाकर एनएच-43 सूरजपुर के मेन मार्केट एक्सीस बैंक से लेकर जिला चिकित्सालय तक दोनों किनारे से दुकानदारों के द्वारा फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया और दुकानदारों को दुकान के सामान को बाहर ना रखने की सख्त हिदायत दी गई। सड़क पर अव्यवस्थित वाहन खड़ा करने वाले लोगों को चेताया कि सड़क किनारे बने सफेद पट्टी के बाहर वाहन खड़ा किया तो मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की जायगी। इस अभियान के दौरान एएसआई ब्यासदेव राय, प्रधान आरक्षक अनिल भगत, आरक्षक राकेश सिंह, अरविन्द एक्का सक्रिय रहे।

पति-पत्नी क्या अपना विधानसभा आगामी चुनाव में बचा पाएंगे या फिर बाजी दूसरा मार ले जाएगा?

- क्या वर्तमान विधायक से लोगों का असंतोष पूर्व विधायक को श्याम बिहारी जायसवाल पुनः बना सकता है विधायक?
- क्या 2023 में एक बार फिर एक श्याम बिहारी जयसवाल हो सकते हैं अजय योद्धा?
- वर्तमान विधायक से समर्थक के साथ कांग्रेस के कार्यकर्ता से लेकर जनता में असंतोष व आक्रोश क्या डूबा सकता है लुटिया?
- पति पत्नी को लेकर कश्मकश में जनता,कैसे दोनों पर भरोसा कर 2023 में क्षेत्र की कमान फिर सौपें जनता
- पति विधायक तो पत्नी हैं महापौर,दोनों मिलकर भी जनता के बीच अपनी बेहतर छाप छोड़ पाने में हुए असफल
- मनेंद्रगढ़ विधानसभा व चिरमिरी नगरनिगम में जनता नहीं दिख रही दोनों के कार्यों से संतुष्ट
- पार्टी के भी वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं से पति पत्नी की बढ़ चुकी है दूरी
- पति पत्नी की कार्यप्रणाली से पूर्व विधायक की क्षेत्र की जनता को आने लगी याद
- पूर्व विधायक को लेकर जनता दिख रही उत्साहित,वर्तमान से जनता दिख रही निराश

- रवि सिंह -
चिरमिरी/मनेंद्रगढ़ 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)

छत्तीसगढ़ प्रदेश का दो नंबर विधानसभा है जिससे मनेंद्रगढ़ के नाम से जाना जाता है यहां दो पंचवर्षीय भाजपा के विधायक रहे जिसके बाद कांग्रेस के विधायक को जनता ने मौका दिया मौका मिलने के बाद जनता को लगा कि उन्होंने अच्छा जनप्रतिनिधि जनसेवक के तौर पर चुना है क्योंकि उससे पहले इनके अंदर की जनसेवा खूब देखने को मिल रही थी, जिस जनसेवा को देखकर लोग मोहित हुए और डॉक्टर विनय जायसवाल को मनेन्द्रगढ़ विधानसभा का विधायक बनाया, इन्हें 4 साल विधायक बने हो चुका है पर इस चार साल में इन्होंने जो डैमेज किया, उस डैमेज को कंट्रोल नहीं कर पाए अब 10 महीने ही शेष बचे हैं, अब इस 10 महीने में कितना डैमेज कंट्रोल करते हैं यह तो समय बताएगा पर अभी वर्तमान स्थिति में जो सामने आ रहा है उसके अनुसार तो यही पता चल रहा कि जनता में असंतोष तो है ही वहीं इनके खुद के पार्टी के अंदर खाने में भी असंतोष है कार्यकर्ता से लेकर संगठन के लोग भी इनसे खफा है अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि इतने बड़े जनाधार वाले नेता से यदि जनाधार रखने वाले लोग खफा हो जाए तो फिर क्या इनकी वापसी हो पाएगी?

इस समय हर तरफ कंपैरिजन की स्थिति हो गई है पूर्व भाजपा के विधायक अच्छे थे या फिर वर्तमान कांग्रेस के विधायक अच्छे हैं जिसे लेकर चर्चा तो हो रही है पर इस चर्चा के बीच यदि किसी को जनसमर्थन मिल रहा है तो वह पूर्व विधायक श्याम बिहारी जयसवाल को मिल रहा है और यह समर्थन सिर्फ इसलिए मिल रहा है क्योंकि वर्तमान विधायक की कमी ही उनके अगले विधानसभा की जीत में रोड़ा बनेगी और उनकी कमी ही पूर्व विधायक श्याम बिहारी जयसवाल को टिकट मिलने पर उनके लिए वरदान साबित होगी। एमसीबी नवीन जिले के मनेंद्रगढ़ विधायक व चिरमिरी नगर निगम की महापौर पति पत्नी आगामी विधानसभा चुनाव में क्या मनेंद्रगढ़ विधानसभा में अपना परचम लहरा पाएंगे मनेंद्रगढ़ विधानसभा की अपनी सीट बचा पाएंगे? वहीं नगर निगम में भी क्या पुनः महापौर का पद पति पत्नी मिलकर हासिल कर पाएंगे यह एक बड़ा सवाल मनेंद्रगढ़ विधानसभा व चिरमिरी नगर निगम को लेकर खड़ा दिख रहा है।

इन वादों का क्या?

मनेंद्रगढ़ विधानसभा से विधायक बनने से पहले चिरमिरी नगर निगम को स्थायित्व दिलाने की बात कहने वाले पहाड़ों से निकलने वाले हर जल स्रोत पर स्टाप डेम बनाकर जल संरक्षण कर जल आपूर्ति की बात करने वाले सोशल मीडिया में विकास के बड़े बड़े दावे करने वाले मनेंद्रगढ़ के वर्तमान विधायक पर विश्वास कर क्षेत्र की जनता ने उन्हें विधानसभा की जिम्मेदारी प्रदान की वहीं उन्ही की बातों में आकर उनकी धर्मपत्नी को महापौर की जिम्मेदारी प्रदान की लेकिन दोनों ही जिम्मेदारियां पति पत्नी मिलकर नहीं सम्हाल सके और आज स्थिति यह दिख रही है कि आगामी चुनाव दोनों के लिए मुश्किलों भरा होने वाला है पराजय की ओर ले जाने वाला है।

4 साल आरोपों का

मनेंद्रगढ़ विधायक व उनकी धर्मपाल चिरमिरी महापौर के चार सालों के कार्यकाल में जहां उनपर जमकर आरोप लगते रहे वहीं कोरोना महामारी के दौरान सेनिटाइजर तक मे कमीशन की बात सामने आई जो आपदा में अवसर वाला मामला साबित हुआ। पति पत्नी के कार्यकाल में क्षेत्र को न तो कोई बड़ी सौगात मिली और न ही क्षेत्र अपराध व अवैध कारोबार मुक्त हो सका। कोयला चोरों कबाड़ चोरों के लिए तो जैसे यह सुनहरा चार वर्ष रहा चिरमिरी क्षेत्र की बात की जाए तो कोयला चोरों, कबाड़ चोरों शराब के अवैध कारोबारियों की चांदी रही वहीं मनेंद्रगढ़ सहित खड़गवां क्षेत्र में शराब सहित कबाड़ के व जुआ फडों के अवैध रूप से संचालनकर्ताओं की चांदी रही। चार वर्षों में एक उपलब्धि जो किसी तरह भरतपुर सोनहत विधायक के बलबूते और उनकी मुख्यमंत्री से करीबी की वजह से क्षेत्र को मिल सकी वह नवीन जिला गठन रहा जिसमें भी चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र जो पलायन का दंश झेल रहा है वह ठगा हुआ ही महसूस कर गया और उसे जिला चिकित्सालय के नाम पर एक लॉलीपॉप के शिवाय कुछ नहीं मिला, मेडिकल कालेज जो नवीन जिले में संभावित है उसकी वजह से मनेंद्रगढ़ वासी जिला चिकित्सालय को लेकर मौन रह गए वरना जिला चिकित्सालय भी चिरमिरी को मिलता यह संभव नहीं दिख रहा था।

जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा आंदोलनरत था, विधायक या उनके समर्थकों की हिम्मत नहीं हुई कि वह मंच साझा कर सके

ट्विन सिटी तक की नवीन जिला गठन के दौरान घोषणा करने वाले मनेंद्रगढ़ विधायक की जिला गठन में कितनी भूमिका रही उसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ट्विन सिटी तो दूर की बात चिरमिरी के और खड़गवां के कुछ क्षेत्रों के लिए नवीन जिला मुख्यालय इतनी दूर हो गया कि उससे करीब पूर्व जिला कोरिया का जिला मुख्यालय उनके लिए आज भी करीब है और उनके लिए सुविधाजनक है। नगर निगम में भी जमकर भ्रष्टाचार की बातें लगातार सामने आती रहीं वहीं विधानसभा में अवैध कारोबारियों की धमक जमकर रही यही कुल उपलब्धि बतौर यदि देखा जाए तो चार वर्षों का लेखा जोखा रहा। विधायक का जनता से संवाद कैसा रहा इसका भी अंदाजा इसबात से लगाया जा सकता है कि जब चिरमिरी जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा आंदोलनरत था विधायक या उनके समर्थकों की हिम्मत नहीं हुई कि वह मंच साझा कर सकें और लोगों को अपना पक्ष बता सकें।

दोपहिया में भ्रमण मात्र से विकास बताते बताते विधायक व महापौर ने 4 वर्षीय कार्यकाल के महत्वपूर्ण वर्ष बिता दिए

दोपहिया में मोहल्ला भ्रमण करने मात्र को विकास बताते बताते विधायक महापौर ने अपने पांच वर्षीय कार्यकाल के महत्वपूर्ण वर्ष बिता दिए और अब जनता जब समीक्षा करने बैठी है उसे पूर्व विधायक का कार्यकाल बेहतर नजर आ रहा है और उन्हें महसूस हो रहा है कि पूर्व विधायक की सरलता और उनकी सहजता के साथ विकास की गति ज्यादा बेहतर थी और स्व विकास का मामला कम नजर आता था। पूर्व विधायक क्षेत्र में लगातार अपनी उपस्थिति जहां बनाये रखते थे वहीं वह क्षेत्र में कोरी घोषणाएं साथ ही अवैध कारोबार को इस तरह सह नहीं दिया करते थे जो आज की स्थिति में उन्हें मिल रहा है। आज मनेंद्रगढ़ विधानसभा में शायद ही अवैध कारोबार का कोई ऐसा कारोबार हो जो न संचालित होता हो केवल चिरमिरी से ही कोयला और कबाड़ की चोरी इस स्तर पर हुई जिसे यदि आंका जाए तो आंकलन भी असंभव हो जाये और व्यवस्था पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाये।

विधायक गुलाब कमरो के प्रयास से अनुपूरक बजट में क्षेत्र के बड़े बड़े कार्य हुए शामिल

- कोरिया एवं एमसीबी जिले में बहेगी विकास की बयार, मुख्यमंत्री की घोषणाएं भी बजट में हुई शामिल
- एमसीबी में सयुक्त जिला कार्यलय भवन तो सोनहत रामगढ़ में बनेगा नया अस्पताल, कोटाडोल सड़क का मिलेगा मुवाबजा

- संवाददाता -
कोरिया/एमसीबी 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सविप्रा उपाध्यक्ष व विधायक गुलाब कमरो के प्रयासों से छत्तीसगढ़ के 2033-23 के अनुपूरक बजट में कोरिया एवं एम सी बी जिले के बड़े बड़े कार्य शामिल हुए हैं, इनमें सबसे ज्यादा फायदा भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र को हॉगा, भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र की वर्षो पुरानी कई मांगो को विधायक गुलाब कमरो ने अथक प्रयास कर बजट में शामिल कराया है इन कार्यो के शामिल होने से ग्रामीण अंचल के लगभग सभी बड़े काम पूरे हो जाएंगे।

एमसीबी जिले में कार्यलयों को मिली स्वीकृति- सविप्रा उपाध्यक्ष व विधायक गुलाब कमरो के प्रयासों से नवीन जिला मनेन्द्रगढ़ भरतपुर चिरमिरी के लिए सँयुक्त जिला कार्यालय भवन को बजट में शामिल किया गया है वही जिला कृषि कार्यालय, जिला उद्यानकी कार्यालय एवं नवीन जिले के अधिकारी कर्मचारियों के लिए क्वाटर निर्माण कार्य, द्वितीय अनुपूरक 2022-23 में शामिल हुए है, इसके अतिरिक्त जिला कोषालय के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है, विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि दोनों जिलों का विकास अब तीव्र गति से होगा।

कोटाडोल सड़क का मिलेगा मुवाबजा

विधायक गुलाब कमरो ने बताया कि जनकपुर से कोटाडोल रोड में लोगो का मुआवजा लम्बे समय से लंबित रहा लेकिन अब उन्हें मुवाबजा मिलेगा, द्वितीय अनुपूरक बजट में इसके लिए 344 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। वही बहरसी में हायर सेकेंडरी स्कूल भवन के निर्माण कार्य के लिए 121 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है, बजट में ग्रामीण अंचलों में मूल भूत सुविधाओ के विस्तार का ख्याल भी रखा गया है।

सोनहत विकास खण्ड के बड़े बड़े कार्य शामिल

सविप्रा उपाध्यक्ष व विधायक माननीय गुलाब कमरो की मांग पर भेंट मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की घोषणा भी बजट में शामिल की गई है। इस सम्बंध में मिली जानकारी अनुसार , किशोरी से कचोहर मार्ग पुल निर्माण 860 लाख,नवाटोला से देवतीदाड मार्ग में पुल निर्माण कार्य 640 लाख,सोनहत विकासखण्ड के रजौली हाई स्कूल का हायर सेकेंडरी मे उन्नयन,एवं भरतपुर के बहरसी हायर सेकेण्डरी भवन निर्माण के लिए 121लाख ,रामगढ़ से कोटडोल मार्ग 27 द्वद्व 46 करोड़ 28 लाख की राशि का प्रावधान किया गया है वही जनकपूर से कोटडोल मार्ग में लंबित मुआवज़ा 344.51 लाख का प्रावधान किया गया है।

सोनहत और रामगढ़ में नवीन अस्पताल भवन

सविप्रा उपाध्यक्ष व विधायक माननीय गुलाब कमरो जी के मांग पर मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन श्री भूपेश बघेल द्वारा भेंट मुलाकात कार्यक्रम रामगढ़ एवं रजौली में सोनहत 50 बेड नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन एवं रामगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का 30 बिस्तर सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र में उन्नयन की घोषणा की गई थी जिसे बजट में शामिल किया गया है। मिली जानकारी अनुसार सोनहत के नवीन अस्पताल हेतु 445.30 लाख एवं रामगढ़ नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन हेतु 84.36 लाख का प्रावधान किया गया है। इसी तरह क्षेत्र के कई छोटे बड़े कार्य शामिल किए गए हैं।

सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय व्यवहारिक ज्ञान जीवन मे अधिक उपयोगी:रोहित झा

- गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के अंतर्गत डीएवी पाण्डवपारा में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन।
- घर बैठे मिलेगी महिला व बच्चों की सुरक्षा 'अभिव्यक्ति' एप के जरिए:कविता ठाकुर

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

विगत दिनों डीएवी पब्लिक स्कूल पाण्डवपारा में जिला कोरिया पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी, पुलिस सहायता केन्द्र पाण्डवपारा एवं उज्जवला होम महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त सौजन्य से विद्यालयीन छात्र/छात्राआ को सामाजिक अंधविश्वास,कुरीतियॉ एवं उत्पीड़न के विरूद्ध सुरक्षा से संबंधित अनेक जानकारियॉ प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अभ्यागत रोहित कुमार झा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कोरिया कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमति कविता ठाकुर उप पुलिस अधीक्षक बैकुण्ठपुर ने की। बतौर विशिष्ट अतिथि श्रीमती कल्पना शर्मा एवं सुश्री भावना त्रिपाठी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के प्रथम चरण मे मंचासीन अतिथियों का प्राचार्य पंकज भारती एवं मनोज कुमार एवं श्रीमति सुरूपा दास सुश्री स्नेहा मिश्रा के द्वारा पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया। विद्यालयीन प्राचार्य श्री पंकज भारती ने कोरिया पुलिस की सजगता व डी.ए.वी. संस्था की शिक्षा के क्षेत्र में अनवरत सेवा को रेखांकित करते हुए स्वागत भाषण दिया। पंकज भारती ने कहा पुलिस विभाग आम जनता को जागरूक करने के लिए छत्तीसगढ सरकार की थीम गढ़वो नवा छत्तीसगढ़ के अंतर्गत सामजिक सरोकार के अनेक पहलुओं पर हमर बेटी हमर मान, हमर सियान, निजात एवं समर्थ अभियान आदि के तहत आत्मनिर्भरता एवं महिला सशक्तीकरण के लिए कार्य कर रही हैं। श्रीमति कल्पना शर्मा ने घरेलु हिंसा, अनाचार, यौन उत्पीडन, बाल अपराध, एड्स सखी सेन्टर व बच्चों की सामाजिक सुरक्षा से संबंधित अनेक जानकारी विद्यार्थीयों से साझा की। अभिव्यक्ति एप की विधिवत जानकारी श्री वसीम राजा, श्री मुकेश कुशवाहा एवं श्री रामप्रकाश तिवारी पुलिस सहायता केन्द्र, बैकुंठपुर, पाण्डवपारा द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालयीन वरिष्ठ शिक्षक संतोष कुमार कटकवार ने एवं आभार प्रदर्शन शिक्षिका स्नेहा मिश्रा ने की, कार्यक्रम का समापन सामुहिक शांति पाठ के साथ श्री वेदप्रकाश आर्य द्वारा कराया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला कोरिया पुलिस बैकुंठपुर, पुलिस सहायता केंद्र, विद्यालयीन शिक्षक / शिक्षिकाए, छात्र / छात्राएं पत्रकार बंधु अभिभावक गण एवं गणमान्य नागरिकों का विशेंष योगदान रहा।

सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय व्यवहारिक ज्ञान जीवन मे अधिक उपयोगी

मुख्य अभ्यागत रोहित कुमार झा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय व्यवहारिक ज्ञान जीवन मे अधिक उपयोगी है। अनुशासित रहकर ही बच्चे सफलता की उॅचाइयों को प्राप्त कर सकते है। साइबर क्राइम के अंतर्गत बच्चे ध्यान रखें मोबाइल में अज्ञान लिंक को क्लिक करने से पहले सोचे, लोभ को ना कहें ताकि बच्चे किसी के झॉसे मे आकर ठगी के शिकार न हो। नाबालिग छात्र/छात्राओं को मोटर साइकिल नहीं चलाने की सख्त हिदायत दी। बच्चों को मोबाइल की बुरी लत लगाने से अच्छा मैदानी खेल खेलनें तथा माता, पिता व गुरूजनों के कुशल मार्गदर्शन मे सुनहरे भविष्य गढने की बात कही। अब घर बैठे अभिव्यक्ति एप के जरिए शिकायत दर्ज कर सकेंगे।

घरेलू हिंसा के विरूध बच्चो को आत्मनिर्भर रहने की प्रेरणा

अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीमति कविता ठाकुर ने छात्राओं को गुड टच व बेड टच की जानकारी देते हुए आए दिन होने वाले छेडछाड़ घरेलू हिंसा के विरूध बच्चो को आत्मनिर्भर रहने की प्रेरणा दी। अभिव्यक्ति एप के जरिए हम अपने किसी पीडित के लिए ऑनलाइन शिकायत कर निदान पा सकते है। पुलिस से डरे नहीं पुलिस समाज की सजग प्रहरी है वह मित्र बनकर समाज सेवा में संलग्न होना चाहती है।

ओ्वर हेड पानी टंकी का निर्माण कार्य बिना इंजीनियर के देखरेख के

» लाखों रूपए की लागत कि पानी टंकी का मजदूरों के भरोसे निर्माण कार्य किया जा रहा है निर्माण सथल पर नहीं आते हैं इंजीनियर

» निर्माण सथल पर सूचना पटल नहीं होने से निर्माण कार्य की जानकारी नागरिकों को नहीं प्राप्त हो रही है

» ओवर हेड टंकी निर्माण कार्य मे मजदूरों को किसी भी प्रकार के सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं है जिससे कभी भी हो सकती है कोई बड़ी दुर्घटना

- राजेन्द्र कुमार शर्मा-
खडगवा, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शासन की बहुत ही महत्वकांछी योजना जल जीवन मिशन योजना जो ग्रामीणों को पीने के पानी से राहत देने के लिए इस योजना को संचालित करने के लिए बनाया गया है इस योजना के तहत आम ग्रामीणों को घर घर तक पानी पहुचने के लिए इस योजना के तहत ओवर हेड टंकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

खंडगवा विकास खंड के विभिन्न ग्राम पंचायतो खडगवा मुख्यालय ठगगाव गिद्रमुडी कटकोना कदरेवा में ओवरहेड पानी टंकी का निर्माण कार्य जारी है।जिससे ग्रामीणों के घरों में नल के माध्यम से पेयजल पहुंचाने के लिए इस निर्माण कार्य को कराया जा रहा है इस निर्माण कार्य में किसी भी तरह की कोई जानकारी या सूचना पटल नहीं है।

ओवरहेड पानी टंकी का निर्माण कार्य सिर्फ मजदूरों के भरोसे कराया जा रहा है निर्माण कार्य करने वाले मजदूर ही इंजिनियर है। इस ओवर हेड टंकी का निर्माण कार्य 6 या 7 मजदूरों के द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है इस निर्माण कार्य को कराने के लिए बाहर से मजदूर बुलाए गए हैं यह मजदूर लगभग 25 से 30 फीट की ऊचाई पर जान जोखिम में डाल कर ओवर हेड टंकी निर्माण कार्य को कर रहे हैं। इन मजदूरों के पास किसी भी तरह के निर्माण कार्य करने के लिए सुरक्षा उपकरण नहीं है। इस तरह से निर्माण कार्य कर रहे मजदूरों के साथ कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है।

ओवर हेड पानी टंकी निर्माण में जिस मटेरियल का इस्तेमाल किया जा रहा है वह गुणवत्ता विहीन है इस निर्माण कार्य में इस्तेमाल गिट्टी, रेत,छड़,की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं वही ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों का कहना है कि इस निर्माण कार्य का सूचना पटल नहीं लगाया गया है जिससे ओवर हेड पानी टंकी निर्माण कार्य की जानकारी उपलब्ध नहीं हो रही है कि इस पानी टंकी के निर्माण कार्य की कया लागत है इस पानी टंकी की कया क्षमता है इतयादि उस स्थल और निर्माण कार्य को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस ओवर हेड पानी टंकी के बारे में संबंधित अधिकारी एसडीओ आकाश पोद्दार ने कहा की क्षेत्र का विकास हो रहा है।

बजट में मिलेगी मनेंद्रगढ़ विधानसभा को सौगात की बौछार

एमसीबी/ चिरमिरी 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़ विधायक माननीय डॉ विनय जायसवाल के प्रयास से छत्तीसगढ़ के मुखिया भूपेश बघेल ने मनेंद्रगढ़ विधानसभा अंतर्गत बजट में विकास कार्यों हेतु शामिल किया है, इन कार्यों के निर्माण की जारी होगी राशि, चिरमिरी में

उद्यानिकी महाविद्यालय एवम पॉलीटेक्निक कॉलेज खोलने के लिए 3 करोड़ बजट में प्रावधान किया । मूलभूत न्यूनतम सेवा के अंतर्गत ग्रामीण सड़कों का निर्माण योजना अंतर्गत इन सड़कों को अनुपूरक अनुदान में शामिल किया गया है। ग्राम पंचायत नारायणपुर से घुई पानी तक 3 सड़क निर्माण लगभग 1050 लाख, ग्राम भोता मुख्य मार्ग से बड़का भोता तक सड़क निर्माण 1050 लाख, पाराडोल में मुख्य सड़क से हाईस्कूल तक सड़क निर्माण 450 लाख, ग्राम पंचायत कटकोना में मुख्य मार्ग से पहाड़ पारा तथा पहाड़ पारा से करिछापर मार्ग 600 लाख, ग्राम पंचायत पारा डोल के बड़का बहरा से हरी काटनपारा प्राथमिक शाला स्कूल तक सड़क निर्माण हेतु लगभग 1050 लाख, बहार हाल लगातार सौगातों की बयार से पुरे विधानसभा में खुशी की लहर देखने को मिल रही है । जिसको लेकर मनेंद्रगढ़ विधानसभा के विधायक ने राज्य के मुखिया का आभार व्यक्त करते हुए विधानसभा वासियों की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित किया है।

अभियान के पहले दिन टीबी एवं कुष्ठ के 68 मरीजों की हुई पहचान

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देश में 1 दिसम्बर से 21 दिसम्बर 2022 तक जिले में सघन टीबी (क्षय रोग) एवं कुष्ठ खोज अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के पहले दिन जिले में मितानिन एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा टीबी के संभावित 52 मरीज तथा कुष्ठ के संभावित 16 मरीजों की पहचान की गई है। अभियान को सफल बनाने हेतु शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग आपसी समन्वय से स्कूली बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा समस्त शैक्षणिक संस्थानों में अभियान से संबंधित जानकारी देने निर्देशित किया गया ताकि बच्चों अपने परिवारजनों एवं आसपास के लोगों तक जानकारी पहुंचाई जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी.एस. सिसोदिया ने अभियान के सफल संचालन हेतु समस्त स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर से कुष्ठ तथा टीबी के मरीजों के पहचान कर जानकारी एकत्रित करने उनका उपचार एवं जांच कराने निर्देशित किया।

नये पर्यटन स्थल के रूप सामरी पाठ क्षेत्र का गोरलाटा पहाड़ के साथ भेड़िये वाटर फॉल भी आ रहा है सामने

- उपेश सिन्हा-
कुसमी, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

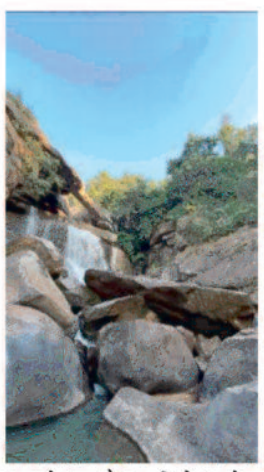

विकासखंड कुसमी के सामरी पाठ क्षेत्र में ऐसी कई जगह है जिसे प्रकृति ने खूबसूरती से सजाया है,उन्ही में से एक ग्राम पंचायत इदरीपाठ है जहाँ एक नही बल्कि दो - दो पर्यटन स्थल है जिनमे छत्तीसगढ़ की सबसे ऊंची चोटी गोरलाटा पहाड़ है जहाँ चढ़कर लोग खुसी से झुम उठते है,तो वही इदरी पाठ के भेड़िया वाटर फॉल भी लोगो को अपनी और खिंचने लगा है वाटर फॉल में तो कई लोग पिकनिक भी मनाने आने लगे है, प्रकृति की गोद में बसा भेड़िया वाटर फॉल की बात की जाये तो यहाँ की झरना लोगो का मन मोह रहा है प्रकृति ने अपने सौंदर्य से इसे भर दिया है,इदरीपाठ ग्राम पंचायत के सचिव मुकेश गुप्ता ने बताया कि इस ग्राम पंचायत में लोग एक दिन में दो पर्यटन स्थल की सैर कर सकते है सबसे पहले छत्तीसगढ़ की सबसे ऊंची चोटी गोरलाटा पहाड़ की सबसे ऊंचे शिखर में जाकर पेड़ों से भरे जंगल पहाड़ो को देख सकते है फिर वापस लौटकर कुछ ही दुरी में स्थित भेड़िया वॉटर फॉल में पिकनिक मना सकते है, जहाँ प्राकृतिक तौर पर झरना है, इन दोनो पर्यटन स्थल पर आने के लिये कई रास्ते है अगर आप अम्बिकापुर की और से आ रहे है तो राजपुर कुसमी होकर आ सकते है कुसमी में रहने के लॉज आसानी से मिल जायेगा, और कुसमी से 20 किलोमीटर सामरी पाठ होते हुये इदरी पाठ जा सकते है कुसमी से सामरी पाठ जाते वक्त कुछ ही दुरी पर गजाधपुर गांव के पास उल्टा पानी नामक पर्यटन स्थल है जहाँ पानी ढ्लान से ऊपर को और बहती है फिर आगे पहाड़ी रास्तो से होते हुये आप सामरी पाठ होते हुये इदरीपाठ के दोनों पर्यटन स्थल में घुम सकते है लेकिन यह दोनो पर्यटन स्थलों तक जाने के लिये आपको प्रकृति सौदर्य जंगल पहाड़ो को देखते हुये कुछ दूर पैदल ही सफर करना पड़ेगा,और रामानुजगंज क्षेत्र से आने पर्यटक बलरामपुर चांदो होते हुये यहाँ पर आ सकते है,जशपुर जिले के लोग भी कुसमी होते हुये यहाँ आ सकते है,बहरहाल 2023 नये वर्ष की शुरुवात भी जल्द होने वाली है ऐसे में लोग पर्यटन स्थल की सैर करते है अब देंखने वाली बात होगी इसबार कितने लोग छत्तीसगढ़ की सबसे ऊंची चोटी गोरलाटा पहाड़ के शिखर पर चढ़ने का आनंद ले पाते है साथ ही जंगल और पहाड़ो की बीच भेड़िया वाटर फॉल जैसे प्राकृतिक तौर पर बने पयर्टन स्थल को देख पाते है।

प्रदेश के पारंपरिक,सांस्कृतिक व खेल गतिविधियों के प्रति लोगों में बढ़ रही रुचि : कलेक्टर संजीव झा

- संवाददाता -
कोरबा, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिला प्रशासन व खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव का शुभारंभ आज विद्युत गृह उच्चतर पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोरबा पूर्व क्रमांक-1 के प्रांगण में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल जिला पंचायत अध्यक्ष शिवकला कंवर ने कलेक्टर संजीव झा की मौजूदगी में किया। महोत्सव के पहले दिन जिले के 1073 प्रतिभागियों ने 38 प्रकार के विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कंवर ने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा से छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक कला,संस्कृति और खेल गतिविधियों को महत्व देने का काम करते रही है। अब जिला स्तरीय युवा महोत्सव के माध्यम से जिले के ग्रामीण व शहरी अंचल के प्रतिभागियों को अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करने का बेहतर अवसर मिल रहा है ढ्ढ इस अवसर पर कलेक्टर संजीव झा ने कहा कि शासन प्रदेश के सांस्कृतिक, पारंपरिक व खेल विधाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में काम कर रही है। इसके पूर्व जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ था। इसी कड़ी में अब जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन हो रहा है। कलेक्टर श्री झा ने कहा कि ये अच्छी बात है कि दो दिवसीय आयोजन के पहले दिन तक विभिन्न पारंपरिक लोक कला, नृत्य, खेल व अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए अधिक संख्या में प्रतिभागियों का पंजीयन हुआ है। जिससे स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ के लोक कला,नृत्य और पारंपरिक खेलों के प्रति लोगों की रुचि बढ़ी है। कलेक्टर श्री झा ने कहा कि इस आयोजन के बाद विजेता प्रतिभागी संभाग व राज्य स्तर के आयोजन में हिस्सा लेकर जिले व प्रदेश का मान बढ़ाएंगे ढ्ढ इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ नूतन कंवर, नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पांडे, कोरबा एसडीएम सीमा पात्रे, कोरबा जनपद सीईओ सुश्री रुचि शार्दूल, तहसीलदार मुकेश देवांगन, नगर निगम मेयर इन काउंसिल के सदस्य संतोष सिंह राठौर व अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी और प्रतिभागी गण मौजूद रहे।

परिवार गया था शादी कार्यक्रम में पीछे से भतीजे ने चाचा के घर पे किया हाथ साफ़

- संवाददाता -
कोरबा, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरबा में एक युवक ने अपने ही चाचा के घर से चोरी कर ली। उसका चाचा अपने परिवार के साथ शादी के कार्यक्रम में गया था। उसी दौरान भतीजे ने अपने ही साथियों के साथ मिलकर कैश पार कर दिया। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मामला मानिकपुर चौकी क्षेत्र का है । चिमनी भट्ठा इलाके में मोहम्मद सलीम अपने परिवार के साथ रहता है। सोमवार को वह परिवार के साथ ही श्यांग गया हुआ था। इसके बाद बुधवार सुबह जब सलीम और उसका परिवार वापस लौटा तो घर का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाने पर पता चला कि सामान भी बिखरा हुआ है। अलमारी में रखे कैश और गहने गायब थे। इसके बाद सलीम ने मामले की शिकायत पुलिस से की। जिस पर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि शादी के लिए सलीम और उसका पूरा परिवार शादी में गया था। मगर उसके ही भाई अब्दुल कलीम कद्ब बेटा मोहम्मद जाहिद शादी में नहीं गया था। बस इसी बात पर पुलिस को शक हुआ । जाहिद पर पहले से चोरी का मामला भी दर्ज था। इस वजह से पुलिस को उस पर शक था। वहीं पुलिस ने जाहिद को फोन लगाया था। फोन लगाने पर जाहिद यहां-वहां की बात करने लगा। पुलिस को ही गुमराह करने लगा था। इस पर पुलिस ने पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर पता चला कि जाहिद ने ही इस वारदात को अंजाम दिया है। इस काम में उसका साथ अकरम,अशफाक खान और प्रथम यादव ने दिया था। जाहिद की निशानदेही पर पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मानिकपुर चौकी प्रभारी प्रहलाद राठौर ने बताया कि पकड़े गए युवक मुड़ापार और दुरपा रोड के रहने वाले हैं। चोरी की घटना के कुछ घंटे बाद आरोपियों को पकड़ लिया गया है। मुख्य आरोपी जाहिद उर्फ बिट्टू है, जो मकान मालिक का रिश्ते में भतीजा है। इन आरोपियों से 68 हजार कैश बरामद किया गया है।

छात्र नेता सत्यम साहू को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया

- संवाददाता -
लखनपुर , 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एनएसयूआई कार्यकारिणी मे पदाधिकारी के रूप में सरगुजा जिले से उभरते छात्र नेता सत्यम साहू को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है

उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हम सदैव छात्रों की हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी उन्होंने बताया कि एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे के नेतृत्व में सदस्यता अभियान चल रहा है जिसमें संगठन के प्रति ज्यादा से ज्यादा छात्रों को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं ताकि संगठन को मजबूत मिले सके।नियुक्ति पश्चात उन्होंने कॉंग्रेसी नेता दानिश रफीक और युवा कॉंग्रेस अम्बिकापुर विधानसभा अध्यक्ष आमिर सोहैल का आभार व्यक्त किया।बता दें कि एन.एस.यू.आई की प्रदेश कार्यकारिणी में जगह बनाने वाले सत्यम साहू लखनपुर के पहले छात्र नेता हैं।

सायबर सेल और बालको पुलिस की संयुक्त टीम ने पकड़ा 02 लाख का ऑनलाइन सट्टा,08 सटोरियों पर जुर्म दर्ज

- संवाददाता -
कोरबा, 02 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सायबर सेल और बालको पुलिस की संयुक्त टीम ने ऑनलाईन सटोरियों को दबोचा। इनके द्वारा फेयर प्ले नामक ऐप के जरिए सट्टा खेलाया जा रहा था, महंगे मोबाइल फोन के अलावा लगभग दो लाख रुपए की सट्टा-पट्टी व नगदी रकम के साथ 8 सटोरियों को गिरफ्तार किया है।सायबर सेल व बालको थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष नागर ने बताया कि टाऊनशिप बस स्टैंड में बाहर के कुछ लोगों के द्वारा आकर फेयर प्ले ऐप से ऑनलाइन सट्टा चलाने की सूचना मिली थी। टीम को कार्यवाही के लिए रवाना किया गया जिसने बस स्टैंड बालको के पास दबिश दी तो 04 संदेही युवक भागने लगे जिन्हें दौड़ाकर पकड़ा गया। थाना लाया जाकर पूछताछ में फेयर प्ले ऐप में ऑनलाइन सट्टा खेलाना और ग्राहकों को सप्ताह में पैसा देने की जानकारी दी। आरोपियों दुर्गेश चौधरी पिता पवन चौधरी 21 वर्ष, राहुल कुमार मार्कण्डेय पिता संजीव कुमार 21 वर्ष, अतुल कुमार धोबी पिता छोटेलाल 22 वर्ष एवं हिमांशु जायसवाल पिता भृगुनाथ जायसवाल 22 वर्ष सभी निवासी भिलाई दुर्ग, थाना छावनी के कब्जे से महंगे 04 नग मोबाइल फोन, सट्टा की नगदी रकम कुल 1400 रुपए एवं हजारों रुपए की सट्टा-पट्टी कुल 1 लाख 5 हजार 400 रुपए का बरामद कर जब्त किया गया ढ्ढ इसी तरह एक अन्य सटोरिया दल के द्वारा रात करीब 11 बजे सिविक सेंटर के पास ऑनलाइन सट्टा खेलाए जाने की सूचना पर दबिश दी गई। यहां पुलिस को देख युवक भागने लगे जिन्हें पकड़कर पूछताछ में नाम आशय शिंदे पिता दीपक शिंदे 26 वर्ष निवासी जमनीपाली, साहिल साहू पिता राजू साहू 19 वर्ष सिंचाई कालोनी दर्री एवं नीलेश परमेश्वर देवकर पिता परमेश्वर 39 वर्ष निवासी जमनीपाली दर्री होना बताया। इनके द्वारा फेयर प्ले ऐप में ऑनलाइन सट्टा खेलाया जा रहा था व ग्राहकों को सप्ताह में पैसा देना था। इनके कब्जे से 60 हजार रुपए कीमती कुल 03 मोबाईल एवं नकदी सट्टा रकम 1000 रुपए व 68 हजार रुपए की सट्टा-पट्टी बरामद की गई। दोनों मामलों में सार्वजनिक जुआ अधिनियम की धारा 4-क के तहत पृथक-पृथक अपराध दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि 3 दिन पहले ही सायबर सेल ने रजगामार प्रेमनगर निवासी अर्पित अग्रवाल एवं सीतामणी में एंजल च्वाईस सेंटर के संचालक उद्देश्य यादव को पकड़कर 98 हजार रुपए का सट्टा-पट्टी बरामद किया।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा0.) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0.../अ-2/2022-23

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद इन्दरपुर को सूचित किया जाता है कि श्री/श्रीमती वन्दना गुर्जर पिता/पति श्री रविकान्त गुर्जर निवासी इन्दरपुर के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा क्रमांक 785/2 रकबा 0.01 आरे हे0 जो ग्राम इन्दरपुर प.ह.नं. 22 रा0नि0मं0 ओड़गी तहसील ओड़गी जिला-सूरजपुर में स्थित है, के वाणिज्यिक भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका नगम क्षे0 इन्दरपुर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 09/12/2022 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/11/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा) भैयाथान
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार उदयपुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0- /अ-21/2022-23

ग्राम-जजगा प0ह0नं0 20

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम जजगा को सूचित किया जाता है कि आवेदक पुन्नीदास आ0 फे कू दास, जाति पनिका, निवासी ग्राम रघुनाथपुर, तहसील प्रेमनगर, जिला सूरजपुर द्वारा अपने स्वमित्व की भूमि ग्राम-जजगा, तहसील उदयपुर, स्थित व्यपवर्तित भूमि खसरा नंबर 669/1 रकबा 0.041 हे0 भूमि को रूपये 85,000,00 (शब्दों में-पचासी हजार) में अनावेदक रामनारायण दास आ0 स्व0 दयाराम, निवासी ग्राम-जजगा, उदयपुर के पास कलेक्टर सरगुजा के समक्ष भूमि विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जो निर्धारित बिन्दुओं पर जांच करने हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी तिथि 16/12/2022 के पूर्व इस न्यायालय में दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरान्त किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति प्राप्त होने पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/11/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
उदयपुर, सरगुजा

आईपीएल 2023 में लागू होगा नया नियम

अब मैच में खेल सकेंगे 15 खिलाड़ी

नई दिल्ली,02 दिसम्बर 2022। भरतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आगामी आईपीएल के सीजन के लिए दिलचस्प नियम लागू करने का फैसला किया है। आईपीएल 2023 के लिए बीसीसीआई 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम लागू करने जा रही है। इस नियम को हाल ही में घरेलू क्रिकेट के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी लागू किया गया था। घरेलू क्रिकेट में सफलता के बाद इसे आईपीएल में लागू किया जाएगा। आईपीएल में ये नियम लागू होने से मैच का रुख कभी भी बदल सकेगा। इसकी जानकारी आईपीएल के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर शेयर कर दी गई है। इस संबंध में बीसीसीआई ने बयान भी दिया है। बयान में कहा गया कि बीसीसीआई इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लागू करना चाहता है। इसके जरिए आईपीएल के दौरान टीमें खेल की स्थिति के मुताबिक प्लेइंग इलेवन में एक सदस्य को बदल सकेंगी।

जानें क्या है इम्पैक्ट प्लेयर

इम्पैक्ट प्लेयर के नियम के मुताबिक टीमों को टॉस के समय प्लेइंग इलेवन के साथ चार अतिरिक्त खिलाड़ियों का भी नाम देना होगा। इन चार खिलाड़ियों में से कोई एक खिलाड़ी मैच के दौरान टीम का हिस्सा बन सकेगा। टीमें किसी भी पारी में 14 ओवर से पहले अपने इम्पैक्ट प्लेयर को शामिल कर सकेंगी। ये खिलाड़ी मैच के दौरान टीम की जरुरत के अनुसार गेंदबाजी या बल्लेबाजी कर सकेगा।

इस स्थिति में लागू नहीं होगा नियम

अगर किसी परिस्थिति में मैच 10 ओवर का खेला जाएगा तब इम्पैक्ट प्लेयर का नियम लागू नहीं होगा। बता दें कि दिल्ली के ऑलराउंडर रितिक शौकीन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे पहले इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर शामिल किया गया था। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उन्होंने दिल्ली को मणिपुर के खिलाफ 71 रनों से जीत दिलाने में मदद की थी। उन्होंने इस मैच में 13 रन देकर 2 विकेट लिए थे।

जानें कैसे बदलेगा मैच का रुख

इस नियम के मुताबिक टीमों को मैच के दौरान 11 की जगह 12 खिलाड़ियों का इस्तेमाल करने का मौका मिलेगा। इस नियम के आने से टीमों की बल्लेबाजी और गेंदबाजी में काफी अंतर देखने को मिल सकता है। इम्पैक्ट प्लेयर पूरे मैच का रुख बदलने में मददगार होगा। फील्डिंग कर रही टीम डगआउट में बैठे खिलाड़ी को चुन सकेगी। हालांकि मैच के दौरान कोई भी टीम इम्पैक्ट प्लेयर को इस्तेमाल करने के लिए बाध्य नहीं होगी। इसका उपयोग करने से पहले कप्तान, मुख्य कोच या टीम मैनेजर को मैच अधिकारियों को जानकारी देनी होगी।

वनडे सीरीज में होगी रोहित-राहुल पर नजर

कमजोर टीम के खिलाफ फॉर्म में आने का अच्छा मौका

ढाका , 02 दिसम्बर 2022। टीम इंडिया फिलहाल बांग्लादेश दौरे पर है। एकदिवसीय विश्वकप से पहले भारत का बंग्लादेश दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगले साल भारत में ही एकदिवसीय विश्व कप खेला जाना है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया फिलहाल बांग्लादेश पहुंच चुकी है। 4 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला मुकाबला भी खेलेगी। तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी होनी है। लेकिन सबकी निगाहें वनडे सीरीज पर होगी। बांग्लादेश सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या वे फॉर्म में वापस आएंगे? टी20 विश्व कप के दौरान भी इन्हें संघर्ष करते हुए देखा गया था। इन दोनों खिलाड़ियों के पास कमजोर टीम के खिलाफ फॉर्म जाने का अच्छा मौका है।

अगर भारत को 2023 में विश्व विजेता बनना है तो कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल का फॉर्म में आना बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में दोनों ही बल्लेबाजों का फॉर्म काफी खराब रहा है। इतना ही नहीं, वे पिच पर रन बनाने के लिए भी संघर्ष करते दिखाई दे रहे थे। इन दोनों बल्लेबाजों के अलावा ऋषभ पंत के लिए भी यह सीरीज काफी मायने रखता है। ऋषभ पंत का भी बल्ला सीमित ओवर के क्रिकेट में नहीं चल रहा है। वह लगातार फ्लॉप हो रहे हैं। ऐसे में उन पर भी सबकी निगाहें होंगी। वनडे सीरीज में ऋषभ पंत के अलावा ईशान किशन को भी विकेटकीपर के तौर पर शामिल किया गया है। ऐसे में ईशान किशन को लेकर भी संभावनाएं बनती दिखाई दे रही है।

बांग्लादेश के खिलाफ कुछ नए खिलाड़ियों को भी आजमाने की कोशिश की जाएगी। रजत पाटीदार, राहुल त्रिपाठी, शाहबाज अहमद और कुलदीप सेन को एकदिवसीय मुकाबले में मौका दिया जा सकता है। इसके अलावा ईशान किशन को भी टीम में शामिल करने की कोशिश होगी ताकि 2023 के विश्वकप को लेकर इन खिलाड़ियों को तैयार किया जा सके। 4 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ पहला एकदिवसीय मुकाबला ढाका में खेला जाएगा जबकि 7 को दूसरा एकदिवसीय मुकाबला होगा और 10 दिसंबर को तीसरा मुकाबला खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज की बात करें तो पहला टेस्ट 14 से 18 दिसंबर को चटगांव में होगा जबकि दूसरा टेस्ट 22 से 26 दिसंबर को ढाका में खेला जाएगा।

आईपीएल 2023 की नीलामी के लिए 991 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया

नई दिल्ली,02 दिसम्बर 2022। कोच्चि में 23 दिसंबर को होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 की खिलाड़ियों की नीलामी के लिए 714 भारतीयों सहित कुल 991 क्रिकेटरों ने पंजीकरण कराया है। इस सूची में भारत के अलावा 14 अन्य देशों के खिलाड़ी शामिल है। विदेशी खिलाड़ी की सूची में ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 57 क्रिकेटर इस नीलामी में शामिल होंगे। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के 52 खिलाड़ी है। इस सूची में वेस्टइंडीज (33), इंग्लैंड (31), न्यूजीलैंड (27), श्रीलंका (23), अफगानिस्तान (14) आयरलैंड (आठ), नीदरलैंड

(सात), बांग्लादेश (छह), यूएई (छह), जिम्बाब्वे (छह)), नामीबिया (पांच) और स्कॉटलैंड (दो) के खिलाड़ी भी शामिल है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से जारी विज्ञप्ति में सचिव जय शाह ने कहा, अगर हर फ्रेंचाइजी अपनी टीम में अधिकतम 25 खिलाड़ियों को शामिल करती है तो इस नीलामी में कुल 87 खिलाड़ियों के लिए बोली लगेगी। इसमें 30 विदेशी खिलाड़ी हो सकते है।'' खिलाड़ियों की सूची में 185 कैप्ड (राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके), 786 अनकैप्ड और एसोसिएट देशों के 20 खिलाड़ी हैं। इस सूची में 604 अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी है जिसमें से 91 इससे पहले भी आईपीएल का हिस्सा रह चुके है।

मार्श टखने की सर्जरी के कारण तीन महीने तक बाहर,भारत में टेस्ट श्रृंखला नहीं खेल पायेंगे

मेलबर्न, 02 दिसम्बर 2022। आस्ट्रेलियाई आल राउंडर मिशेल मार्श अपने बायें टखने की सर्जरी के कारण भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पायेंगे। मार्श के तीन महीने तक क्रिकेट से दूर रहने की संभावना है। इस 31 साल के आल राउंडर की 'कीहोल' सर्जरी की गयी। आस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि उन्हें विश्व कप से पहले मार्च में भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिये उनके फिट होने की उम्मीद है। बेली ने एक बयान में कहा, मिशेल हमारी टीम का अहम सदस्य है और

हम इस उबरने की प्रक्रिया के समय में उनका सहयोग करेंगे और हमें उम्मीद है कि वह मार्च में भारत के खिलाफ होने वाली वनडे श्रृंखला के लिये आस्ट्रेलियाई चयन के लिये उपलब्ध होंगे।

मार्श के अलावा आल राउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी इस टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पायेंगे। मैक्सवेल दुर्घटना में चोटिल होने के बाद इससे उबर रहे हैं। आस्ट्रेलिया फरवरी-मार्च में बार्डर गावस्कर ट्राफी के लिये चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिये भारत का दौरा करेगा।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी 20 श्रृंखला के लिये पूजा बाहर,देविका की वापसी

नयी दिल्ली, 02 दिसम्बर 2022। भारतीय आलराउंडर पूजा वस्त्राकर चोट के कारण मुंबई में नौ दिसंबर से आस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिये टीम में जगह नहीं बना सकीं जबकि चयनकर्ताओं ने शुक्रवार को 'अनकैप्ड' बायें हाथ की तेज गेंदबाज अंजलि सरवनी को इसमें शामिल किया।

पूजा ने रायपुर में महिला टी20 चैलेंजर में भारत सी टीम की अगुआई की थी। बीसीसीआई के सचिव जय शाह द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, ''वह चोट के कारण बाहर हुई और उनके नाम विचार नहीं किया गया।

आंध्र की 25 साल की बायें हाथ की मध्यम गति की गेंदबाज अंजलि ने इस महीने के शुरू में महिला चैलेंजर में पूनम यादव की अगुआई वाली भारत ए के लिये अपनी कसी गेंदबाजी से प्रभावित किया था।

अंजलि ने भारत डी के खिलाफ भी शानदार प्रदर्शन किया था और वह

अपने तीन ओवर में 11 रन देकर दो विकेट से टीम को फाइनल में पहुंचाने में सफल रही थी। उन्होंने कुल मिलाकर चार मैचों में तीन विकेट झटके थे।

आस्ट्रेलिया श्रृंखला से महाराष्ट्र की बायें हाथ की आल राउंडर देविका वैद्य भी चार से ज्यादा साल बाद टीम में वापसी करेंगी। 2014 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण करने वाली देविका ने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे खेला था।

हरमनप्रीत कौर टीम की अगुआई करेंगी जबकि स्मृति मंधाना उप कप्तान होंगी।भारत पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नौ और 11 दिसंबर को डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेलेगा जिसके बाद 14, 17 और 20 दिसंबर को होने वाले बचे हुए तीन मुकाबले सीसीआई में आयोजित होंगे।

यह श्रृंखला 10 फरवरी से दक्षिण अफ्रीका में शुरू हो रहे टी20 विश्व कप के लिये भारत की तैयारियों का हिस्सा है।

विजय और रश्मिका मंदाना की वरिसु हिंदी में होगी रिलीज

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता थलापति विजय काफी समय से वरिसु को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। यह एक तमिल भाषा की फिल्म है, जिसका निर्देशन वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं। खबरों की मानें तो मेकर्स ने इसे हिंदी भाषा में भी रिलीज करने की योजना बना ली है। इसे तमिल और तेलुगु के अलावा अगले साल 12 जनवरी को हिंदी में भी रिलीज किया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के हिंदी वर्जन के लिए भूषण कुमार, दिल राजू और मनीष शाह ने हाथ मिलाया है। एक सूत्र ने बताया, मनीष को डबिंग के अधिकार दिए गए हैं, जबकि इसके हिंदी संस्करण को लाने में टी-सीरीज और श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स का सहयोग होगा। अतीत में इन दोनों स्टूडियोज ने हिटः द फर्स्ट केस के प्रोजेक्ट में एक साथ काम किया है और इनके खाते में कई और फिल्में हैं। इससे पहले पुष्पा के हिंदी वर्जन को डब करने की जिम्मेदारी मनीष को ही दी गई थी। एक सूत्र ने कहा, फिल्म पुष्पा की तरह वरिसु के प्रचार को भी बड़े पैमाने पर हिंदी दर्शकों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। मनीष फिल्म की रिलीज के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अपने टेलीविजन चैनल और यूट्यूब नेटवर्क का इस्तेमाल करेंगे। बता दें कि वरिसु के हिंदी वर्जन का अस्थायी शीर्षक वारिस रखा गया है।

वरिसु एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म होगी, जिसमें कई बड़े कलाकार अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। प्रभु, सरथ कुमार, प्रकाश राज, जयसुधा, श्रीकांत, योगी बाबू और संगीता जैसे सितारे इस फिल्म की शोभा बढ़ाएंगे। चेन्नई में बड़े पैमाने पर इस फिल्म की शूटिंग की गई है। भूषण की प्रोडक्शन कंपनी टी-सीरीज ने पांच करोड़ रुपये का भुगतान करके इस फिल्म के म्यूजिक राइट्स हासिल किए हैं। दिल राजू और शिरीष इसके प्रोड्यूसर हैं।

विजय के करियर की बात करें तो उन्होंने बाल कलाकार के तौर पर भी कई फिल्मों में काम किया है। बतौर लीड अभिनेता उनकी पहली फिल्म नालया थीरपू 1992 में रिलीज हुई थी। इसके बाद उन्होंने साउथ की एक से बढ़कर एक कई फिल्मों में काम किया। वह दक्षिण भारतीय सिनेमा के बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं। विजय मास्टर से लेकर सरकार, थुपक्की, जिला और बीस्ट जैसी कई सुपरहिट फिल्मों का हिस्सा रहे हैं।

साड़ी पहने अप्सरा सी दिखीं रुबीना दिलैक

बॉलीवुड एक्ट्रेस रुबीना दिलैक हमेशा से अपने बेबाक अंदाज से फैंस का दिल जीतती हुई आई हैं। एक्ट्रेस हाल ही में अपने लेटेस्ट लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। रुबीना दिलैक हर समय फैंस के बीच अपनी ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं, जो तेजी से फैंस के बीच वायरल होने लग जाती हैं। एक्ट्रेस रुबीना दिलैक अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से इन दिनों सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट फैंस के बीच शेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रुबीना दिलैक का बेहद ही स्टाइलिश अंदाज एक बार फिर से कैमरे में कैद हो गया है। अपनी लेटेस्ट फोटोज में एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने सिल्वर साड़ी पहनी हुई है, जिसमें एक्ट्रेस ने बेहद ही स्टाइलिश कटआउट डीप नेक ब्लाउज वेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर और हॉट अदाएं दिखाते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं। रुबीना सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ हमेशा जुड़ी हुई रहती हैं। फैंस भी एक्ट्रेस की एक झलक पाने के लिए उनकी तस्वीरों बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। रुबीना दिलैक सोशल मीडिया पर हमेशा छाई हुई रहती हैं। इन दिनों अपने काम से ज्यादा अपनी तस्वीरों को लेकर चर्चाओं में हैं।

CMYK

मुख्यमंत्री ने भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को उनकी जयंती पर किया नमन

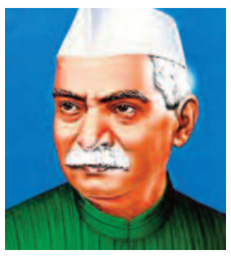

रायपुर, 02 दिसंबर 2022(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की 03 दिसम्बर को जयंती पर उन्हें नमन किया है। बघेल ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के योगदान को याद करते हुए कहा है कि राजेन्द्र बाबू भारतीय स्वाधीनता संग्राम के महत्वपूर्ण राजनेताओं में से एक थे। उन्होंने संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में देश को एक मजबूत संविधान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने राष्ट्रपति रहते हुए स्वतंत्र तथा निष्पक्ष कार्य की मिसाल प्रस्तुत की। उनके श्रेष्ठ जीवन मूल्य और अमूल्य विचार हमें हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस की दी शुभकामनाएं

रायपुर, 02 दिसंबर 2022 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी दिव्यांगजनों को 03 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने दिव्यांगजनों के उज्ज्वल और सुखद भविष्य की कामना करते हुए कहा है कि दिव्यांग भी मुख्यधारा का ही हिस्सा हैं। निःशक्तता सिर्फएक शारीरिक कमी है, यह समझने के लिए समाज में जागरूकता की जरूरत है। निःशक्त व्यक्तियों के लिए समान अधिकार, तरक्की और विकास के रास्ते सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजन के सर्वांगीण विकास और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रही है। दिव्यांग दिवस तभी सार्थक हो सकता है जब सभी निःशक्त व्यक्ति अन्य नागरिकों के समान ही आर्थिक और सामाजिक स्थिति पा सकें। भावी पीढ़ी को दिव्यांगता से बचाने के लिए हमें उनके पोषण और स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक होने की जरूरत है।

जगत नड्डा ने विष्णुदेव साय को दी बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर, 02 दिसंबर 2022 (ए)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने विष्णुदेव साय को बड़ी जिम्मेदारी दी है। वे भाजपा में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य नियुक्त किए गए है।

प्रदेश के आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल में प्रतिनियुक्ति पर पोस्टिंग,आदेश जारी

रायपुर, 02 दिसंबर 2022 (ए)। स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों व कर्मचारियों के प्रतिनियुक्ति आदेश जारी किये हैं। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी मीडियम स्कूल के लिए अलग-अलग स्कूलों से ये प्रतिनियुक्ति आदेश जारी किया गया है।

सीएम भूपेश बघेल ने पेश किया अनुपूरक बजट

» **बृजमोहन ने कहा नियम विरुद्ध न लाएं कानून**

» **नहीं मिलेगा युवाओं को लाभ**

रायपुर, 02 दिसंबर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश कर दिया है। बता दें कि यह बजट चार हजार तीन सौ सैंतीस करोड़, पचहत्तर लाख तिरानवे हजार आठ सौ बत्तीस रु. का है। मगर विपक्ष ने विशेष सत्र में अनुपूरक बजट पेश करने को नियम विरुद्ध बताया।

वहीं नियमों के उलंघन का हवाला देकर विपक्ष ने वाक आउट किया। भाजपा के विधायकों ने कहा कि वे अनुपूरक बजट की चर्चा में भाग नहीं लेंगे।

बीजेपी सदस्य अजय चंद्रकार ने सदन में मोहन मरकाम के खिलाफ विशेषाधिकार के भंग का मामला उठाया है। सदन में अजय चंद्राकर ने कहा सत्र की घोषणा होने से पहले ही मोहन मरकाम ने सत्र की जानकारी ट्वीटर में दी। उन्होंने कहा कि विधायक मोहन मरकाम को कैसे जानकारी मिली कि सत्र इस दिन ही आहूत होगा। उन्होंने कहा कि सीएम और मरकाम को विशेष सत्र और विषय की जानकारी कैसे मिली।

ये विधानसभा की अवमानना है। विशेषाधिकार भंग पर आसंदी से चर्चा की मांग। संसदीय कार्यमंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में सरकार की सहमति से सत्र तय होता है। विशेष सत्र हम आरक्षण को लेकर बुलाए है। सत्र आहूत कैसे किया जाता है इस प्रक्रिया को आप अच्छे से जानते है।

आरक्षण को लेकर सत्र बुलाया गया उस पर भी आपको को अप्पति है। पक्ष विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। नेता प्रतिपक्ष नारायण चन्देल ने चर्चा को 9 दिसम्बर तक टालने की उठाई मांग। नेता प्रतिपक्ष ने स्पीकर चरणदास महंत से कहा कि आरक्षण से भानुप्रतापपुर में लाभ लेने की कोशिश की जा रही है। इसलिए आरक्षण पर चर्चा को 9 तारीख तक टाला जाए ।

वहीं इस मामले में विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने सदन में कहा अगर नियम विरुद्ध कानून लाएंगे तो उसका लाभ नही मिल पाएगा। तीन माह से सभी भर्तियों को जानबूझकर रोक दिया है। पीएससी की नियुक्त रोक दी गई है। अगर अब कानून बनाना चाह रहे हैं तो नियम से काम करें। कोर्ट में मामला चल रहा है।

विधानसभा में हंगामा, अनुपूरक बजट पर विपक्ष का बहिर्गमन, आरक्षण मुद्दे पर गरमाया सदन

आरक्षण के मसले पर विधानसभा के विशेष सत्र में दूसरे दिन की शुरुआत हंगामे से हुई है। छत्तीसगढ़ विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे और अंतिम दिन की कार्यवाही शुरू होते ही बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर ने व्यवस्था का प्रश्न उठाया। उन्होंने कहा कि पीसीसी अध्यक्ष के ख़िलाफ़ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है और कहा सदन की कार्यवाही पूर्व प्रचारित किया गया।

चंद्राकर ने सवाल उठाया कि पीसीसी चीफ़ और मुख्यमंत्री को यह कैसे पता चल गया कि सत्र 1 और 2 दिसंबर को आहुत किया जाएगा। हमने विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। इस पर चर्चा कराई जाए। कौन सा विधेयक है, जिसे अब तक वितरित नहीं किया गया है।

अजय चंद्राकर ने सदन के राजनीतिक दुरुपयोग की बात कहते हुए कहा कि विधानसभा में जितने सत्र हुए हैं, वह विषय केंद्रीय हुआ है, यदि आरक्षण के लिए विशेष सत्र बुलाया जा रहा है तो फिर अनुपूरक बजट कैसे लाया जा रहा है?

भाजपा विधायक अजय चंद्रकार के आरोपों का जबाव देते हुए संसदीय कार्यमंत्री रविंद्र चौबे ने कहा कि कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में सत्र के विषय तय किए गए। स्पीकर डॉक्टर चरणदास महंत ने कहा कि सदन में जो भी बिज़नेस आया है, यह कार्यमंत्रणा समिति की तरफ़ से ही आया है।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि कार्य संचालन की पुस्तक में ये कहाँ लिखा है कि विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। ये गंभीर विषय है कि जब किसी को यह नहीं पता कि सत्र कब से शुरू होगा। क्या सरकार ने चुनाव आयोग से अनुमति माँगी कि विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। हंगामे के बीच अनुपूरक बजट पर विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन कर दिया।

सदन में भिड़े चंद्राकर और डहरिया, धक्का-मुक्की , हाथापाई की नौबत

रायपुर छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र आज सचमुच विशेष साबित हो गया। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच नोक-झोंक आज हाथापाई में तब्दील हो गई। सदन में ही मंत्री शिव डहरिया और पूर्व मंत्री कुरूद विधायक अजय चंद्रकार के बीच धक्कामुक्की के बाद नौबत हाथापाई की आ गई।

दो वरिष्ठ सदस्यों के बीच बनी इस स्थिति से उपजी असहजता को टालने के लिए तत्काल सदन की कार्यवाही 10 मिनट तक स्थगित कर दी गई। माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में ऐसी स्थिति पहली बार निर्मित हुई है।

एक और अधिकारी ईडी की गिरफ्त में

रायपुर, 02 दिसंबर 2022 (ए)। डिप्टी सीक्रेटरी को कई दिनों की बार बार पूछताछ के बाद आखिरकार ईडी ने उन्हें आज दोपहर बाद गिरफ्तार कर लिया है। सूचना मिल रही है ईडी ने कोयला ट्रांसपोर्टिंग की अवैध वसूली सहित मनी लांड्रिंग के मामले में ईडी ने पिछले दिनों इनके घर छापा भी मारा था। ईडी ने कोर्ट से 14 दिन की रिमांड माँगा था, लेकिन स्पेशल कोर्ट ने सिर्फ 4 दिन की ही रिमांड दी है। जहां उनके घर बेनामी संपत्ति के दस्तावेज मिले थे। इनके तार जेल में कोयला ट्रांसपोर्टिंग के अवैध वसूली के मामले जेल में निरुद्ध आइएएस समीर बिश्नोई, कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी और इनके भाई लक्ष्मीकांत तिवारी सहित एक अन्य कारोबारी से तार जुड़े होने की बात हो रही है।

बहरहाल, ईडी ने सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार कर लिया है। आज ईडी कोर्ट में इनको पेश कर 14 दिन के रिमांड पर लेने की डिमांड की। पहले अधिवक्ता फैजल रिजवी ने सौम्या चौरसिया का पक्ष रखते हुए पैरवी की। उसके बाद खुद सौम्या चौरसिया ने कोर्ट रूम में बिंदुवार जानकारी देते हुए बताया कि जमीन उनके नाम की नहीं उनके परिवार के नाम की है। मुझे और ऑफिस को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है।

हालांकि अभी तक ईडी ने प्रेस रिलीज जारी नहीं किया है उन्हें मनी लांड्रिंग के अलावा और मामले का आधार बनाया। बता दें कि प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने पूर्व में ही कहा था कि राजनीतिक साजिशों को अंजाम देने के लिए ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है। सीएम ने यह भी कहा था कि जैसे जैसे चुनाव नजदीक आएगा। वैसे वैसे ईडी यहां डराने के लिए आती रहेगी।

अभी हाल ही में सीएम भूपेश ने ईडी के पूछताछ के तरीके पर आरोप लगाया था। इनके द्वारा किए जा रहे अमानवीय कृत्य बर्दाश्त नहीं किए जायेंगे। जरूरत पड़ी तो ईडी पर वैधानिक पुलिसिया कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री बिलासपुर एवं अंबिकापुर में रीजनल सी-मार्ट का किया उद्घाटन

रायपुर, 02 दिसंबर 2022 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां विधानसभा स्थित अपने कार्यालय से बिलासपुर एवं अंबिकापुर में रीजनल सी-मार्ट का वर्चुअली उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही शहीद महेन्द्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत 863 संग्राहक परिवारों को 13 करोड़ 46 लाख 35 हजार रूपए की सहायता अनुदान राशि एवं छात्रवृत्ति योजनांतर्गत 7566 छात्र-छात्राओं को 8 करोड़ 4 लाख 65 हजार रूपए की छात्रवृत्ति राशि का अंतरण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 28 जिलों में सी-मार्ट बन गए हैं। अब उत्पादों की बिक्री की समस्या नहीं है। सी-मार्ट से उपभोक्ताओं और स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को आसानी हो गई है। समूह की महिलाओं की आय भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि उन वस्तुओं का उत्पादन ज्यादा करें, जिनकी मार्केट में ज्यादा मांग है। नया उत्पाद बनाने के पूर्व उसका बाजार में स्थिति कैसी होगी, इसका आंकलन बेहतर तरीके से कर लें। मुख्यमंत्री ने शहीद महेन्द्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के हितग्राहियों से सहानुभूतिपूर्वक बात की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस योजना से कम समय में ही पीड़ित परिवार को सहायता राशि मिल रही है। इससे उनके परिवार को एक आर्थिक सम्बल मिला है।

4 लाख का मुआवजा मिलेगा

सीएम ने मालगांव खदान हादसे पर की घोषणा

रायपुर, 02 दिसंबर 2022 (ए)। सीएम भूपेश बघेल ने मालगांव खदान हादसे में मृत 7 श्रमिकों के परिजनों को 4 लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की है. दरअसल घटना जगदलपुर से 10 किलोमीटर दूर मालगांव की है. जानकारी के मुताबिक, मालगांव में एक छुई खदान है. यहां पर कई ग्रामीण काम करते हैं. काम के दौरान अचानक खदान धंस गई. इस घटना कि जानकारी जैसे ही जगदलपुर पुलिस को हुई तो मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू जारी किया गया. कई घायलों को निकालकर अस्पताल भेजा गया है.

जानकारी के मुताबिक मरने वालों में 6 महिलाएं और एक पुरुष बताए जा रहे हैं. वहीं कुछ और लोगों के फंसे होने की जानकारी है. जिन्हें एनडीआरएफ की टीम की मदद से रेस्क्यू किया जा रहा है.

मैं मृतक मजदूरों के परिजनों को 4 लाख रुपए की सहायता राशि की घोषणा करता हूँ।

ब्रम्हानंद नेताम ने दिया बड़ा बयान

कहा-मुद्दों पर चुनाव जीतने की कांग्रेस में हिम्मत नहीं

कांकेर , 02 दिसंबर 2022 (ए)। भानुप्रतापपुर विधानसभा उपचुनाव प्रचार की शुरुआत ब्रम्हानंद नेताम ने अपने पैतृक गृह ग्राम कसावाही से की इसके बाद दमकसा, उंकारी, साल्हेटोला, कुर्रुटोला, डेढक्कोहका समेत चारामा और भानुप्रतापपुर के ब्लॉक के करीब दो दर्जन गावों में डोर टू डोर सघन जनसंपर्क किया। भूपेश सरकार पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि भूपेश सरकार चुनाव जीतने के लिए बहुत नीचे गिर गई और स्तरहीन राजनीति पर उतारू हो गए हैं। मुद्दों पर चुनाव जीतने की कांग्रेस में हिम्मत नहीं क्योंकि चार साल में छत्तीसगढ़ को बर्बाद कर दिया है। पूरे छत्तीसगढ़ को कंगाल बना दिया। बिजली बिल हाफ क्यों नहीं हुआ? आवास क्यों नहीं बना? किसानों का रकबा क्यों कटा? बारदाने का पैसा क्यों नहीं मिला? सडक़ क्यों नहीं बना? इन सब सवालों का भूपेश बघेल और कांग्रेस के पास कोई जवाब नहीं है। इसलिए मुझ पर आरोप लगाकर चुनाव जीतना चाहते है। लेकिन जनता उन्हें मजा चखाने के लिए तैयार बैठी है।

3.50 लाख रुपये लेकर घर जाने निकला था 10वीं का छात्र

बस स्टैंड से हुआ गायब,अपहरण का मामला दर्ज

दुर्ग,02 दिसंबर 2022 (ए)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक 15 वर्षीय लड़का का अपहरण हो गया है। बालक साढ़े 3 लाख रुपये लेकर घर जाने के लिए निकला था लेकिन बस स्टैण्ड से वो गायब हो गया। मामले में पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण किए जाने का मामला दर्ज कर लड़के की तलाश शुरु कर दी है। मामला दुर्ग जिले के छावनी थाना भिलाई का है। जवाहर नगर की रहने वाली नैना साहू ने दो दिन पहले 30 नवंबर को अपने 15 वर्षीय भाई फानेश्वर को माता-पिता के पास नवागढ़ जाने के लिए पावर हाउस बस स्टैण्ड में छोड़ा था।

भाई के पास साढ़े 3 लाख रुपये कैश थे। भाई के घर नहीं पहुंचने पर पिता ने बेटी को फोन किया कि फानेश्वर घर नहीं पहुंचा है।

जिसके बाद बहन वापस भिलाई पावर हाउस बस स्टैण्ड पहुंची और भाई की तलाश शुरु कर दी। लेकिन उसका पता नहीं चल पाया। रिश्तेदारों और आस-पास पता करने के बाद जब भाई नहीं मिला तो उसने छावनी थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमें अज्ञात व्यक्ति द्वारा फानेश्वर को बहला-फुसलाकर अपहरण किए जाने की शंका जताई गई है। मामले में छावनी पुलिस ने धारा 363 भादवि पंजीबद्ध कर जांच शुरु कर दी है। बताया जा रहा है कि फानेश्वर साहू कक्षा 10 वीं का छात्र है।

स्वास्थ्य विभाग के लापरवाह जिम्मेदार सरकार को बदनाम करने की रच रहे साजिश

कवर्धा , 02 दिसंबर 2022 (ए)। जिला मुख्यालय से लगभग 22 किलोमीटर दूर भोरमदेव अभयारण्य के प्रतिबंधित क्षेत्र में भारी संख्या में दवाओं का जखीरा बरामद हुआ, इससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। इन दवाइयों को नक्सलियों ने फेंका या स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने या नशेड़ियों के गैंग ने, ये जांच का विषय है। जंगल में बरामद इन दवाओं में सीजीएमएससी की सील व मार्क लगी है। दवाओं मे भारी संख्या में ब्रोमेक्सिन हैड्रोक्लोराइड, पैरासिटामाल, प्रोमेथजीन, मल्टीविटामिन की सिरप, एरीथ्रोमाइसीन, पैरासिटामाल है। खांसी की म्यूकोलिटिक सीरप ब्रोमेक्सिन हैड्रोक्लोराइड जिसका बैच नम्बर 20048 उत्पादन तिथि 12/2020 एक्सपाइरी डेट 5/2023 जैसी दवाओं को भी फेंक दिया गया है। क्षेत्र में चर्चा है कि मरीजों को बांट जाने वाली जीवनरक्षक दवाओं को मरीजों व जरूरतमंदों को देने की जगह खपत दिखाने जंगलों में फेंक दिया है।

जानकारी के मुताबिक, सर्दी खांसी व अलर्जी की दवाओं ब्रोमेक्सिन और प्रोमेथजीन का उपयोग नशेड़ी नशे के लिए भी करते हैं। वहीं एरीथ्रोमाइसीन एन्टीबायोटिक के रूप में उपयोगी है। जानकारों के अनुसार, यह दवाएं सरकारी अस्पताल में सर्दी खांसी व बुखार के मरीजों को वितरित करने के लिए सरकारी संस्था सीजीएमएससी द्वारा भेजी जाती है। और जिस जिले या वहां के अस्पताल में यह दवाएं मरीजों को जाती हैं या उन क्षेत्रों की वहां की मितानिन, एएनएम तथा महिला हेल्थ वर्करों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं को ये दवाएं व गोलियां मुफ्त वितरित करती हैं।अब सवाल उठता है कि लाखों रुपये की यह गोलियां कहां से आई, किसके द्वारा मादघाट के प्रतिबंधित जंगलों में फेंकी गई, इनका वितरण क्यों नहीं कराया गया।

लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही के चलते इनका वितरण नहीं किया गया या एक्सपायर कर दी गई है और फंसने के डर से यह दवाइयां आनन-फानन में जिला मुख्यालय से लगभग 22 किलोमीटर दूर जंगल मे फेंक घास व सूखे पत्तों से ढक दिया गया, ताकि जांच में किसी प्रकार की कोई आंच ना आए। लोगों का कहना है सरकार के द्वारा भेजी गई निशुल्क बांटने वाली दवाइयों को फेंकने वाले कर्मचारियों पर क्या कार्यवाही होगी यह तो आने वाला समय ही बताएगा। फिलहाल दबंग मंत्री और कार्य के प्रति ईमानदार व कार्य मे लापरवाही बर्दाश्त नहीम करने वाले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के जिले में स्वास्थ्य विभाग किसी न किसी कारण से हमेशा चर्चा में बना रहता है। जिला अस्पताल की छत में लाखों की नई मशीनों को कबाड़ के रूप में फेंकने के बाद अब नक्सल प्रभावित व भोरमदेव अभयारण्य के प्रतिबंधित जंगल मे दवाओं का जखीरा मिलना कही सरकार किसी की साजिश तो नहीं। मामले को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुजाय मुखर्जी कुछ भी कहने से इनकार कर रहे है।

बिलासपुर में दौड़ेगी वंदे भारत ट्रेन,रेलवे बोर्ड से मिली स्वीकृति

बिलासपुर , 02 दिसंबर 2022 (ए)। अब छत्तीसगढ़ के न्यायधानी में भी वंदे भारत ट्रेन दौड़ेगी। दरअसल बिलासपुर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन को वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिलने जा रही है। इसकी स्वीकृति रेलवे बोर्ड को मिल चुकी है। इसके साथ रूट भी तय हो गया। यह ट्रेन बिलासपुर से नागपुर के बीच चलेगी। वहीं ट्रेन के मिलते ही जोन व मंडल के रेल अफसरों के निरक्षण का सिलसिला भी शुरू हो गया है। बता दे की गुरुवार को परिचालन, मैकेनिकल, विद्युत, कमर्शियल विभाग के अधिकारी कोचिंग डिपो का जायजा लेने पहुंचे थे। उन्होंने ने निर्णय लिया की पहले कोचिंग डिपो का मरम्मत होगा उसके बाद की आगे की प्रक्रिया की जाएगी।

केंद्र सरकार की ओर से तीन साल में नई पीढ़ी की 400 वंदे भारत ट्रेनें चलाने की घोषणा की गई थी।ये ट्रेन आधुनिक सुविधाओं से लैस है। जोन में ट्रेन मिलने के सिर्फ केवल संकेत मिल रहे थे और अब रेलवे बोर्ड ने स्वीकृति दे दी है। हालांकि अभी अधिकारी इस संबंध में कुछ भी जानकारी देने से बच रहे हैं। निरीक्षण को पहुंचे अधिकारियों की टीम के बीच इसे लेकर चर्चा भी होती रही।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)